RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 224 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » गुरुवार » 12-03-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

तमिलनाडु में नेक्स्ट जेन इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास

भारत का पहला वर्टिकल लिफ्ट रेलवे समुद्री पुल: नया पंबन ब्रिज, इंजीनियरिंग में नई उपलब्धि

पिछले 10 वर्षों में तमिलनाडु के लिए रेलवे बजट 7.5 गुना बढ़ा;
अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 77 स्टेशनों का पुनर्विकास, सुरक्षित और तेज यात्रा सुनिश्चित

97% रेलवे विद्युतीकरण और 16 वंदे भारत एक्सप्रेस से तेज और सुगम यात्रा को बढ़ावा

6,800+ किमी राष्ट्रीय राजमार्गों और ग्रीनफील्ड कॉरिडोर से पूरे राज्य में बेहतर कनेक्टिविटी

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 26,000+ किमी मार्ग से अंतिम छोर तक कनेक्टिविटी बेहतर

₹235 करोड़ की पोर्ट अवसंरचना परियोजना, चेन्नई पोर्ट में लचीलापन,
सुरक्षा और आधुनिकीकरण पर ध्यान तथा कामराजर पोर्ट में बेहतर पहुँच अवसंरचना

₹5,600 करोड़ का चेन्नई पोर्ट मदुरावोयल डबल-टियर एलिवेटेड कॉरिडोर, वैश्विक व्यापार केंद्र के रूप में उभर रहा चेन्नई

अवसंरचना विकास के लिए ₹3 लाख करोड़ का निवेश, तेज आधुनिकीकरण और सामाजिक-आर्थिक विकास सुनिश्चित

आरसीएस-उड़ान : 10 क्षेत्रीय रूट पर हवाई सेवा शुरू और तूतीकोरिन हवाईअड्डे पर ₹450 करोड़ का नया टर्मिनल, क्षेत्रीय हवाई कनेक्टिविटी को नई गति

करीब ₹18,000 करोड़ की 726 स्मार्ट सिटी परियोजनाएं पूरी, शहरी इंफ्रास्ट्रक्चर को नई गति

विकसित भारत के लिए
विकसित तमिलनाडु
मोदी सरकार का संकल्प

"हमारा सामूहिक लक्ष्य विकसित भारत के लिए एक विकसित तमिलनाडु है। केंद्र सरकार समावेशी विकास और राज्य की प्रगति के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।"

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

CBC 37101/13/0026/2526

फुकेट हवाई अड्डे पर उतरने के बाद एअर इंडिया एक्सप्रेस के विमान के आगे के पहिये अलग हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। एयर इंडिया एक्सप्रेस के बोइंग 737 मैक्स विमान ने बुधवार को फुकेट हवाई अड्डे पर 'हार्ड लैंडिंग' की जिससे उसके आगे के दोनों पहिए अलग हो गए। एक वरिष्ठ डीजीसीए अधिकारी ने यह जानकारी दी।

विमान वीटी-बीडब्ल्यूक्यू की उड़ान आईएक्स938 हैदराबाद से फुकेट के लिए रवाना हुई थी। अधिकारी ने 'पीटीआई भाषा' को बताया कि यात्रियों को विमान से उतारकर टर्मिनल भवन ले जाया गया और कोई घायल नहीं हुआ है। बोइंग 737-मैक्स 8 में सवार यात्रियों की संख्या का तुरंत पता नहीं लगाया जा सका। अधिकारियों के अनुसार, रनवे पर विमान के फंसे होने के कारण हवाई अड्डे का संचालन अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है और विमान को खींचकर बे (हवाई अड्डे का वह हिस्सा जहां विमान को खड़ा किया जाता है) की ओर ले जाया गया है। एयर इंडिया एक्सप्रेस के प्रवक्ता ने कहा कि फुकेट हवाई अड्डे पर विमान के आगे के पहिए में खराबी आ गई थी और चालक दल ने सभी मानक प्रोटोकॉल का पालन किया व यात्रियों को विमान से उतार लिया गया। डीजीसीए के अधिकारी ने बताया कि विमान ने फुकेट हवाई अड्डे के रनवे 9 पर संदिग्ध रूप से 'हार्ड लैंडिंग' की, जिससे वह उछल गया। विमानन की भाषा में 'हार्ड लैंडिंग' आमतौर पर अनजाने में हुई ऐसी लैंडिंग को कहा जाता है, जिसमें विमान अत्यधिक ऊर्ध्वाधर गति और जोर के साथ जमीन से टकराता है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के अधिकारी ने कहा, विमान रनवे पर फंस गया है, उसके आगे के दोनों पहिये अलग हो गए हैं। थाईलैंड के विमानन अधिकारियों से परामर्श के बाद संबंधित प्राधिकरण द्वारा जांच की जाएगी। अधिकारी ने बताया कि नियमित रखरखाव के तहत आठ मार्च को विमान के आगे के दोनों पहिए बदले गए थे।

न्यायालय ने ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए 32 वर्षीय व्यक्ति को निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने निष्क्रिय इच्छामृत्यु (पैसिव युथनेसिया) की पहली बार स्वीकृति देते हुए 32 वर्षीय उस व्यक्ति की कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणाली हटाने की बुधवार को अनुमति दे दी जो 12 साल से अधिक समय से कोमा में है।

निष्क्रिय इच्छामृत्यु का अर्थ है कि नाजुक स्थिति वाले किसी मरीज को जीवित रखने वाली चिकित्सा सहायता को रोकने या जीवन रक्षक प्रणाली को हटाने की अनुमति देना ताकि उसकी स्वाभाविक रूप से मौत हो सके।

इस फैसले के साथ ही न्यायालय ने केंद्र सरकार से निष्क्रिय इच्छामृत्यु पर एक व्यापक कानून बनाने पर विचार करने का आग्रह किया ताकि इससे ''उन मामलों में स्पष्टता मिलेगी जो बेहद व्यावहारिक और भावनात्मक रूप से संवेदनशील हैं।''

न्यायालय ने कहा कि कानून के अभाव के कारण, उसे हस्तक्षेप करने और दिशानिर्देश देने के लिए विवश होना पड़ा क्योंकि यह संस्थागत वरीयता का मामला नहीं बल्कि संवैधानिक आवश्यकता का मामला है, ताकि मौलिक अधिकारों की शुचिता, विशेष रूप से गरिमापूर्ण जीवन के अधिकार की रक्षा की जा सके। गाजियाबाद निवासी हरीश राणा 2013 में एक

इमारत की चौथी मंजिल से गिरने के कारण सिर में चोट लगने से घायल हो गया था और वह एक दशक से अधिक समय से कोमा में है। वह पंजाब विश्वविद्यालय का छात्र था।

न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को राणा को उपशामक देखभाल इकाई में भर्ती करने का निर्देश दिया ताकि चिकित्सकीय उपचार बंद किया जा सके। पीठ ने यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि उपचार एक सुनियोजित तरीके से बंद किया जाए ताकि गरिमा बनी रहे।

निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति देने वाला यह आदेश 2023 में संशोधित किए गए 2018 के उस फैसले के अनुरूप है जिसमें गरिमा के साथ मृत्यु के मौलिक अधिकार को मान्यता दी गई थी।

उच्चतम न्यायालय ने इससे पहले 32 वर्षीय व्यक्ति के माता-पिता से मिलने की इच्छा जताई थी। उसने दिल्ली एम्स के चिकित्सकों के द्वितीयक चिकित्सा बोर्ड द्वारा दाखिल की गई राणा की चिकित्सा संबंधी रिपोर्ट का अवलोकन किया था और कहा था कि यह रिपोर्ट ''दुखद'' है।

प्राथमिक चिकित्सा बोर्ड ने मरीज की स्थिति की जांच करने के बाद कहा था कि उसके ठीक होने की संभावना नगण्य है।

उच्चतम न्यायालय ने पिछले साल 11 दिसंबर को कहा था कि प्राथमिक चिकित्सा बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार यह व्यक्ति ''बेहद दयनीय स्थिति'' में है।

उच्चतम न्यायालय द्वारा 2023 में जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, कोमा की स्थिति वाले मरीज की कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणाली हटाने को लेकर विशेषज्ञों की राय लेने के लिए एक प्राथमिक और एक द्वितीयक चिकित्सा बोर्ड का गठन करना अनिवार्य है।

राहुल के 'गोमूत्र' संबंधी बयान पर भाजपा का हमला, कहा-दोहरा रहे हैं इस्मामिक कट्टरपंथियों की भाषा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के एक कार्यक्रम में गोमूत्र संबंधी हालिया बयान को लेकर उनपर निशाना साधते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को आरोप लगाया कि वह (गांधी) इस्लामिक कट्टरपंथियों की भाषा दोहरा रहे हैं, जो हिंदू आस्था का मजाक उड़ाने के लिए 'गोमूत्र' को लेकर तंज कसते हैं।

भाजपा के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में राहुल गांधी की आलोचना करते हुए उनका एक वीडियो भी साझा किया। इस वीडियो में नेता प्रतिपक्ष यह कहते नजर आ रहे हैं कि देश में राजनीतिक चर्चा का केंद्र डेटा से जुड़े मुद्दे होने चाहिए, न कि इस बात पर बहस कि हमें क्या खाना या पीना चाहिए या क्या गोमूत्र आपके लिए अच्छा है या नहीं। मालवीय ने अपने पोस्ट में लिखा, इस्लामिक कट्टरपंथी अक्सर हिंदुओं का मजाक बनाने और उनकी आस्था को नीचा दिखाने के लिए 'गोमूत्र' को लेकर तंज कसते हैं। ऐसे में नेता प्रतिपक्ष से उम्मीद नहीं की जाती कि वह भी उसी तरह की भाषा दोहरायें, फिर भी, राहुल गांधी ऐसा करने में कोई संदेह नहीं छोड़ रहे हैं कि वह किस पक्ष में हैं। उन्होंने आगे कहा, ''सबसे दुखद बात यह है कि इस तरह की बयानबाजी को 'सीधी बात' के रूप में पेश किया जाता है और उससे भी आगे बढ़कर उसे वैचारिक बौद्धिकता का रूप दे दिया जाता है।'' राहुल गांधी वीडियो में डेटा और नवाचार की भूमिका पर पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए कहते हैं कि भारत की राजनीति को इसी तरह के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करनी चाहिए। गांधी यह कहते सुनाई देते हैं, ''यह उन केंद्रीय सवालों में से एक है जिस पर भारतीय राजनीति में चर्चा की जानी चाहिए... कि यह हमारा सबसे बड़ा संसाधन है। हम इसे कैसे उपयोग करेंगे?

गुजरात के सूरत में तीन औद्योगिक इकाइयों में आग लगी, कोई हताहत नहीं

सूरत/भाषा। गुजरात के सूरत में बुधवार दोपहर एक सॉल्वेंट रसायन निर्माण कंपनी में आग लग गई और यह तेजी से आसपास की दो औद्योगिक इकाइयों में फैल गई। दमकल विभाग के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गुजरात शहर के एक औद्योगिक क्षेत्र में स्थित कंपनी में अपराह्न लगभग एक बजे आग लगी और इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

उप मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रकाश हेडाऊ ने बताया कि सचिन औद्योगिक क्षेत्र में स्थित एथर इंडस्ट्रीज लिमिटेड और आसपास की दो कंपनियों में लगी आग को बुझाने के लिए दमकलकर्मियों ने दो घंटे से अधिक समय तक मशक्कत की। उन्होंने बताया कि सचिन जीआईडीसी समेत कई दमकल स्टेशनों से कुल 16 दमकल गाड़ियां आग पर काबू पाने के लिए भेजी गईं।

कांग्रेस के शासनकाल में हरियाणा में किसानों का शोषण होता था : भाजपा सांसद

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक सदस्य ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के शासनकाल में हरियाणा में किसानों का शोषण होता था और औने-पौने दाम पर उनसे जमीन लेकर करोड़ों रुपए का लाभ कमाया जाता था। भाजपा सदस्य रामचंद्र जांगड़ा ग्रामीण विकास मंत्रालय के कामकाज पर उच्च सदन में हुई चर्चा में भाग ले रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा के सरकार में आने के पहले हरियाणा में किसानों का शोषण हो रहा था। उन्होंने एक कंपनी का नाम लेते हुए कहा कि उसकी पूंजी 90 लाख रुपए थी और उसने साढ़े सात करोड़ रुपए की जमीन खरीद थी और एक महीने में वह कंपनी 58 करोड़ रुपए की कंपनी बन गई। उनकी इस टिप्पणी के दौरान कांग्रेस सदस्य जयराम रमेश ने टोका-टोकी की। भाजपा सदस्य ने कहा कि एक समय ग्रामीण क्षेत्रों में खाने बनाने के लिए जलावन एकत्र करना बड़ी समस्या थी और सूखी लकड़िया लाने में तमाम तरह की परेशानी होती थी।

कच्चे तेल के दाम में तेजी से शेयर बाजार फिसला, सेंसेक्स 1,342 अंक टूटा

मुंबई/भाषा। स्थानीय शेयर बाजारों में बुधवार को बड़ी गिरावट आई और बीएसई सेंसेक्स 1,342 अंक का गोता लगा गया जबकि एनएसई निफ्टी 24,000 अंक के नीचे आ गया। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच कच्चे तेल के दाम में तेजी से शेयर बाजार में एक दिन की बढ़त के बाद गिरावट आई। कारोबारियों के अनुसार, इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी और प्रमुख बैंकों के शेयरों में बिकवाली दबाव से भी बाजार नुकसान में रहा। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,342.27 अंक यानी 1.72 प्रतिशत लुढ़क कर 76,863.71 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान इसमें 1,446.72 अंक तक की गिरावट आई थी। वहीं 50 शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 394.75 अंक यानी 1.63 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,866.85 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, बजाज फिनसर्व, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति, ट्रेंट, भारती एयरटेल और कोटक महिंद्रा बैंक प्रमुख रूप से नुकसान में रहीं। दूसरी तरफ सन फार्मा और एनटीपीसी के शेयरों में तेजी रही।

778 नाविकों के साथ फारस की खाड़ी में 28 भारतीय जहाज फंसे हुए हैं : अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। फारस की खाड़ी में 28 भारतीय जहाज फंसे हुए हैं, जिन पर 778 नाविक सवार हैं। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने प्रेसवार्ता में बताया कि इनमें से 24 जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य के पश्चिमी भाग में 677 नाविकों के साथ मौजूद हैं, जबकि चार जहाज चालक दल के 101 सदस्यों के साथ पूर्वी भाग में हैं।

सिन्हा ने कहा, ''हम सभी जहाजों की सुरक्षा के लिए सक्रिय रूप से निगरानी कर रहे हैं। अधिकारी, जहाज प्रबंधक और भर्ती एजेंसियां भारतीय दूतावासों और स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर सुरक्षा सुनिश्चित करने और उन्हें चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए समन्वय कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि मंत्रालय फारस की खाड़ी क्षेत्र में मौजूदा और बदलती समुद्री स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है और पश्चिम एशिया क्षेत्र की समुद्री स्थिति को देखते हुए भारतीय जहाजों और नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निगरानी और तैयारी के उपायों को मजबूत किया गया है। पोत परिवहन महानिदेशालय द्वारा सलाह जारी की गई है जिसमें भारतीय ध्वज वाले सभी जहाजों और भारतीय नाविकों को उन्नत सुरक्षा उपायों को अपनाने और वास्तविक समय के विवरण प्रस्तुत करने सहित 'रिपोर्टिंग प्रोटोकॉल' का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया गया है।

एलपीजी सिलेंडर की घबराहट में बुकिंग न करें, कच्चे तेल की आपूर्ति सुरक्षितः पेट्रोलियम मंत्रालय

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच पेट्रोलियम मंत्रालय की एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को कहा कि एलपीजी सिलेंडर की घबराहट में बुकिंग करने की जरूरत नहीं है और घरेलू उपभोक्ताओं के लिए करीब 2.5 दिन का सामान्य आपूर्ति चक्र बरकरार है।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने यहां संवाददाताओं के साथ बातचीत में कहा कि भारत की कच्चे तेल की आपूर्ति सुरक्षित है और तेल को होर्मुज जलडमरूमध्य से इतर मार्गों के जरिये भी मंगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार की तरफ से उठाए गए कदमों के चलते देश में एलपीजी उत्पादन में करीब 25% की वृद्धि हुई है। शर्मा ने कहा, कुछ स्थानों से घबराहट में सिलेंडर की बुकिंग और गलत सूचना के कारण जमाखोरी किए जाने की खबरें मिली हैं। मैं यह साफ करना चाहती हूं कि घरेलू एलपीजी की सामान्य आपूर्ति अवधि अब भी लगभग 2.5 दिन की है, इसलिए उपभोक्ताओं को जल्दबाजी में सिलेंडर बुक करने की जरूरत नहीं है।

सरकार ने बिरला के हाथ बांध दिए हैं : वेणुगोपाल

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के.सी. वेणुगोपाल ने बुधवार को लोकसभा में आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने अध्यक्ष ओम बिरला के हाथ ''बांध'' दिए हैं, जिससे उन्हें सत्तारूढ़ दल की इच्छा के अनुसार काम करने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

बिरला को अध्यक्ष पद से हटाने के संकल्प पर चर्चा में भाग लेते हुए वेणुगोपाल ने महिला सांसदों के खिलाफ आरोप लगाने के लिए उनकी आलोचना की। उन्होंने कहा कि बिरला ने दावा किया कि उनके पास इसकी पुख्ता जानकारी थी कि कांग्रेस की महिला सांसद सदन में प्रधानमंत्री की सीट तक पहुंचकर कुछ अप्रत्याशित घटना को अंजाम दे सकती हैं। वेणुगोपाल ने कहा, ''यह बहुत ही अपमानजनक और सबसे गैर-जिम्मेदाराना बयान था।'' वेणुगोपाल की इस टिप्पणी पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने तीखा विरोध दर्ज कराया। रीजीजू ने कहा कि बजट सत्र के पिछले चरण में लगभग कांग्रेस के 25 से 30 सांसद अध्यक्ष के कक्ष में गए और उन्होंने जो व्यवहार किया, वैसा व्यवहार कभी देखा नहीं गया। मंत्री ने कहा, ''अगर सीसीटीवी कैमरे की फुटेज जारी कर दी जाए, तो पूरी दुनिया आपके सांसदों के व्यवहार पर शर्मिंदा होगी।'' वेणुगोपाल ने कहा, ''लोकसभा अध्यक्ष सदन के प्रत्येक सदस्य का संरक्षक होता है और यदि वह सत्तारूढ़ दल के मुखिया के रूप में कार्य करता है, तो यह गंभीर चिंता पैदा करता है।''

पश्चिम एशिया की स्थिति और रसोई गैस संकट पर संसद में चर्चा हो, प्रधानमंत्री जवाब दें : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को कहा कि पश्चिम एशिया युद्ध और देश में रसोई गैस के कथित संकट को लेकर संसद में चर्चा कराई जानी चाहिए तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सदन में इस पर जवाब दें। उन्होंने यह भी कहा कि देश को सच जानने का अधिकार है।

खरगे ने पोस्ट किया, ''मोदी सरकार के नकली सूत्र आधारित आश्वासन उसकी पूर्ण अक्षमता को उजागर करते हैं। पश्चिम एशिया में आसन्न युद्ध के बारे में पूर्वानुमान था। फिर भी सरकार ने भारत की ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित करने के लिए कुछ नहीं किया। अब संकट गहराता जा रहा है और आम लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।'' उन्होंने दावा किया कि ईंधन की कमी से कृषि और उर्वरक आपूर्ति प्रभावित होने से सबसे पहले किसानों को नुकसान उठाना पड़ रहा है, रसोई गैस सिलेंडर का सीमित वितरण, गैस भरवाने के लिए लंबी कतारें, वाणिज्यिक सिलेंडर की भारी कमी और घरेलू सिलेंडर के लिए 25 दिन तक की प्रतीक्षा की स्थिति पैदा हो गई है। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि रेस्तरां और छोटे भोजनालय बंद हो रहे हैं तथा जमाखोरी और कालाबाजारी फैल रही है। उनका कहना है, ''नोटबंदी के समय हमें बताया गया कि 50 दिनों में नकदी की कमी खत्म हो जाएगी... कोविड महामारी के समय हमें बताया गया कि यह कोई गंभीर आपात स्थिति नहीं है, जबकि देश ने गंगा में शव और विनाशकारी कुप्रबंधन देखा। पश्चिम एशिया युद्ध के समय अब हमें बताया गया है कि भारत के पास 74 दिनों का तेल और ऊर्जा भंडार है।

अनधिकृत विदेशी क्रिप्टो मंचों पर निगरानी के लिए भारत बना रहा 'वर्चुअल एसेट लैब': एफएटीएफ रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। भारत गैर-पंजीकृत और जोखिम से भरे विदेशी क्रिप्टो मंचों की पहचान के लिए एक स्वदेशी 'वर्चुअल एसेट लैब' बनाने पर काम कर रहा है। वैश्विक निगरानी संस्था एफएटीएफ की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत सरकार की 'वित्तीय आसूचना इकाई- इंडिया' (एफआईयू-इंडिया) ने गृह मंत्रालय के साथ मिलकर सोशल मीडिया मंच, वेब होस्ट और इंटरनेट सेवा प्रदाताओं को अनधिकृत विदेशी क्रिप्टो मंचों से जुड़ी ऑनलाइन सामग्री हटाने के निर्देश दिए हैं। अभी तक इस तरह के 85 यूआरएल हटाए जा चुके हैं। इन अनधिकृत विदेशी मंचों का इस्तेमाल धनशोधन जैसे अवैध कामों के लिए होने की आशंका रहती है। एफएटीएफ ने कहा, ''भारत बिना पंजीकरण वाले विदेशी वर्चुअल एसेट सेवा प्रदाताओं (ओवीएएसपी) की पहचान करने के लिए स्वदेशी तकनीकी क्षमता बढ़ा रहा है। इसी उद्देश्य से 'वर्चुअल एसेट लैब' स्थापित करने की दिशा में काम चल रहा है।'' यह लैब डेटा विश्लेषण और इंटरनेट निगरानी के जरिये ऐसे अनधिकृत क्रिप्टो मंचों का पता लगाने में मदद करेगी।

एलपीजी आपूर्ति की चिंता के बीच बिजली के चूल्हे, केतली की बिक्री बढ़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण रसोई गैस (एलपीजी) की आपूर्ति को लेकर पैदा हुई चिंताओं के बीच बिजली के चूल्हों (इंडक्शन) और इलेक्ट्रिक केतली की बिक्री में भारी उछाल आया है। उद्योग जगत के विशेषज्ञों ने यह जानकारी दी है।

टाटा समूह की कंपनी क्रोमा ने पिछले कुछ दिनों में चूल्हों की मांग में तीन गुना वृद्धि दर्ज की है, जबकि 'पिजन' ब्रांड बनाने वाली कंपनी स्टोवक्राफ्ट लिमिटेड की औसत साप्ताहिक ऑनलाइन बिक्री चार गुना बढ़ गई है।

इन्फिनिटी रिटेल लिमिटेड (क्रोमा) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और एमडी शिबाशीष रॉय ने कहा, ''पिछले कुछ दिन में बिजली के चूल्हों की मांग में अचानक तेजी आई है और हमारी औसत दैनिक बिक्री दर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।''

रॉय ने सटीक आंकड़े बताए बिना कहा कि चूल्हों की औसत दैनिक बिक्री सामान्य स्तर से लगभग तीन गुना बढ़ गई है। उन्होंने कहा, ''ग्राहक एक बार में कई चूल्हे खरीद रहे हैं, जो पहले सामान्य नहीं था। यह एहतियाती खरीदारी का संकेत है।'' इसके साथ ही इलेक्ट्रिक केतली की मांग भी सामान्य से लगभग दोगुनी हो गई है।

रॉय के अनुसार, लोग अब बिजली से चलने वाले चूल्हों को एक भरोसेमंद विकल्प के रूप में देख रहे हैं। क्रोमा इस मांग को पूरा करने के लिए अपने स्टोर और ऑनलाइन बिक्री मंचों पर इनकी पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कर रही है।

वहीं, अमेजन इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि पिछले दो दिन में इंडक्शन चूल्हों की बिक्री 30 गुना बढ़ गई है, जबकि चावल पकाने वाला कुकर (राइस कुकर) और इलेक्ट्रिक प्रेशर कुकर की बिक्री में चार गुना उछाल आया है। एयर फ्रायर और इलेक्ट्रिक केतली की बिक्री भी दोगुनी हो गई है।

प्रवक्ता ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर, मुंबई और बेंगलूरु के कुछ हिस्सों में ग्राहक 'अमेजन नाउ' के जरिये कुछ ही मिनट में ये चूल्हे और अन्य उत्पाद प्राप्त कर रहे हैं। स्टोवक्राफ्ट के प्रबंध निदेशक राजेंद्र गांधी ने भी कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव शुरू होने के बाद से ऑनलाइन बिक्री मंच पर बिजली के चूल्हों की औसत साप्ताहिक बिक्री में चार गुना का उछाल आया है।

कंपनी वर्तमान में कर्नाटक के हारोहल्ली स्थित अपने संयंत्र में प्रति माह लगभग दो लाख चूल्हे बनाती है। उन्होंने कहा, ''हमारी योजना आगामी वित्त वर्ष में चूल्हों की उत्पादन क्षमता को और बढ़ाने की है।''

कंपनी को उम्मीद है कि उपभोक्ता भविष्य में भी ऊर्जा-कुशल और वैकल्पिक चूल्हों को प्राथमिकता देना जारी रखेंगे।

शिवसेना (उबाठा) नेताओं ने सत्ता के लिए और मोदी विरोध में बालासाहेब को छोड़ दिया : निशिकांत दुबे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने बुधवार को शिवसेना (उबाठा) नेताओं पर आरोप लगाया कि वे सत्ता की चाह में और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विरोध करने के लिए हिंदुत्व की विचारधारा और बालासाहेब ठाकरे की विरासत को छोड़ रहे हैं।

दुबे ने कहा कि महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ही शिवसेना संस्थापक की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। भाजपा सांसद ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''सिर्फ सत्ता पाने और सिर्फ मोदी जी का विरोध करने के लिए, वे विचारधारा को छोड़ रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''शिवसेना की असली ताकत क्या है। उद्धव ठाकरे के पास है या एकनाथ शिंदे के पास? बालासाहेब ठाकरे दोनों की ताकत हैं। लेकिन एकनाथ शिंदे ही बालासाहेब ठाकरे की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। वह बालासाहेब के नक्शेकदम पर चल रहे हैं, हिंदुत्व का झंडा उठा रहे हैं और भाजपा नीत सरकार का हिस्सा हैं।''

दुबे ने आरोप लगाया कि उद्धव ठाकरे ने कांग्रेस से गठबंधन किया, जिसे बालासाहेब ने कभी मंजूरी नहीं

दी थी। उन्होंने दावा किया कि उद्धव ठाकरे को सलाह देने वाले संजय राउत और अरविंद सावंत हैं, जिनका हिंदुत्व से कोई लेना-देना नहीं है। बालासाहेब ठाकरे के बंदूक लाइसेंस को रद्द किए जाने के बारे में सावंत द्वारा लोकसभा में उठाए गए सवाल का ज़िक्र करते हुए, दुबे ने कहा कि शिवसेना (उबाठा) नेता ने ''इतिहास'' या ''भूगोल'' की सही जानकारी के बिना यह मुद्दा उठाया था। उन्होंने कहा, ''कल मैंने संसद में कहा था कि शिवसेना के अरविंद सावंत को इतिहास या भूगोल का कोई ज्ञान नहीं है। 1969 में, बालासाहेब ठाकरे की पत्नी मीनाताई ठाकरे पर गोलियां चलाई गईं थीं, जिन्हें देवी की तरह पूजा जाता है।'' दुबे ने कहा कि यह घटना तब हुई जब ठाकरे किसी निर्वाचित पद पर नहीं थे और शिवसेना अभी तक एक बड़ी राजनीतिक ताकत नहीं बनी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि यह घटनाक्रम शिवसेना संस्थापक के खिलाफ कांग्रेस की राजनीतिक साजिश का हिस्सा था। उन्होंने कहा, ''संसद में यह सवाल उठाया गया था कि उनका रिवॉल्वर लाइसेंस कैसे रद्द किया गया। उस समय वह (बालासाहेब ठाकरे) न तो सांसद थे और न ही विधायक, और शिवसेना भी कोई बहुत बड़ी पार्टी नहीं थी।'' दुबे ने कहा, ''बाद में, जब उन्हें 1976-77 के आसपास पूरी साजिश के बारे में पता चला और उन्हें एहसास हुआ कि कांग्रेस ने उन्हें निशाना बनाया है, तो बालासाहेब ने एक बहुत दमदार भाषण दिया था और कहा कि वह समझौता करने और इंदिरा गांधी या कांग्रेस का सहयोगी बनने के बजाय मरना पसंद करेंगे।''

RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 224 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » गुरुवार » 12-03-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 'मुझे बेवजह भाजपा की 'बी' टीम कहकर बदनाम किया जाता है'

6 फूहड़ कंटेंट, सोशल मीडिया और संस्कृति : जिम्मेदारी किसकी ?

7 मैं कभी भी एक अच्छी डांसर नहीं रहीं : जीनत अमान

फर्स्ट टेक

बदरीनाथ, केदारनाथ में इस वर्ष से गैर सनातनी का प्रवेश वर्जित

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के बदरीनाथ और केदारनाथ धाम में इस वर्ष से गैर सनातनी का प्रवेश वर्जित रहेगा। मंदिर समिति के एक पदाधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई बोर्ड बैठक में इस प्रस्ताव को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी गई। द्विवेदी ने बताया कि यह निर्णय अगले माह शुरू हो रही यात्रा से लागू होगा और अब गैर सनातनी, मंदिर परिसरों और गर्भगृहों में प्रवेश नहीं कर सकेंगे। इससे पहले, उन्होंने कहा था कि गैर हिंदुओं के प्रवेश पर रोक की व्यवस्था आदि शंकराचार्य के समय से ही है और भारतीय संविधान भी धार्मिक स्थलों के प्रबंधन का अधिकार देता है।

सरकार ने 'टेलीग्राम' को 3,100 से अधिक चैनल निष्क्रिय करने के निर्देश दिए

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने बुधवार को त्वरित संदेश मंच 'टेलीग्राम' को कॉपीराइट कानून का उल्लंघन करने वाले 3,100 से अधिक चैनल को तीन घंटे के भीतर निष्क्रिय करने का निर्देश दिया। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने यह पाया था कि इन चैनल पर कुछ सामग्री मालिकों, ओटीटी मंचों और निर्माताओं के स्वामित्व वाले या उनके लाइसेंस-प्राप्त कार्यक्रमों को बिना कानूनी अनुमति के साझा और वितरित की जा रही थीं। मंत्रालय की तरफ से जारी अधिसूचना में संयुक्त सचिव सी. सेंथिल राजन ने कहा कि ये सामग्री कॉपीराइट अधिनियम, 1957 के विभिन्न प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए मंच पर डाली और प्रसारित की जा रही थीं।

रोमानिया ने उसके सैन्य अड्डों के इस्तेमाल करने का अमेरिका का अनुरोध स्वीकारा

बुखारेस्ट/एपी। रोमानिया के शीर्ष रक्षा निकाय ने बुधवार को अमेरिका के उस अनुरोध को मंजूरी दे दी, जिसमें ईरान के खिलाफ जारी सैन्य अभियान में मदद के लिए इस नाटो देश के सैन्य अड्डों में अपनी सैन्य उपस्थिति बढ़ाने और उनका उपयोग करने की बात कही गई थी। राष्ट्रपति निकुसोर डैन ने रक्षा पर राष्ट्रीय सर्वोच्च परिषद की बैठक के बाद यह जानकारी दी। बैठक का आयोजन पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के प्रभाव पर चर्चा करने के लिए किया गया था। इस समझौते के तहत विमानों में ईंधन भरने और उपग्रह संचार एवं निगरानी उपकरणों के लिए सैनिकों की अस्थायी तैनाती की अनुमति होगी।

11-03-2026 सूर्यास्त 6:19 बजे	12-03-2026 सूर्योदय 6:17 बजे
BSE 76,863.71 (-1,342.27)	NSE 23,866.85 (-394.75)
सोना 16,754 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 282,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

माब लिंचिग

जब मार रही हो भीड़ किसे,
तब चलता है किसका दिमाग।
किसके हाथों में चिन्गारी,
फैलाता जिससे घृणित आग।
यह जहर सभी में भरा हुआ,
हम सभी विषैले बने नाग।
यह दमित विचारों की परिणति,
सबके दामन पर लगा दाग।।

देश के विकास से अनजान हैं कांग्रेस 'युवराज' राहुल : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

▪ प्रधानमंत्री मोदी ने केरल में 10,000 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन किया

कोच्चि/भाषा। कांग्रेस और इसके शीर्ष नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को विपक्षी दल पर पश्चिम एशिया संकट पर राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता विपक्ष देश के विकास से अनभिज्ञ हैं।

केरल में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की एक विशाल रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने सत्ताधारी वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) पर भी भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि दक्षिणी राज्य को अपनी प्रगति के लिए एलडीएफ और कांग्रेस-नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) सरकारों के बीच बारी-बारी के शासन के चलन को समाप्त करना चाहिए और आगामी चुनावों में भाजपा की जीत के प्रति आशा जतायी। उन्होंने कहा कि सभी प्रयास उन भारतीयों के कल्याण के लिए किए जा रहे थे जो युद्ध-ग्रस्त पश्चिम एशिया में फंसे हुए हैं, और उन्होंने लोगों से कांग्रेस और वामपंथियों द्वारा फैलायी जा रही अफवाहों में न आने की अपील की। मोदी ने सबरिमला सोने की हेराफेरी के मामले को उठाकर सत्ताधारी माकपा के नेतृत्व वाले एलडीएफ और कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ पर हमला किया और उन्हें भ्रष्टाचार, सांप्रदायिक राजनीति एवं राज्य में विकास तथा उद्योग को रोकने के अपराध में साथी करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया, वे सबरिमला मंदिर की लूट में साझेदार हैं। एलडीएफ नेताओं पर मंदिर से सोने की हेराफेरी करने का आरोप है, वहीं यूडीएफ पर लूटे गए सोने को बेचने का आरोप है। हालांकि, प्रधानमंत्री ने इस बारे में विस्तार से बात नहीं की।

मोदी ने अपनी सरकार के निर्णय का उल्लेख किया कि केरल का नाम बदलकर 'केरलम' किया गया और राज्य के लोगों से कहा कि वे अगले पांच वर्षों के लिए भाजपा-नेतृत्व वाले गठबंधन को सेवा का मौका दें, क्योंकि इसमें मोदी की गारंटी है।

ऊर्जा संकट : प्रधानमंत्री मोदी ने कहा,

घबराने या अफवाहों पर ध्यान देने की कोई जरूरत नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुचिरापल्ली (तमिलनाडु)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को लोगों से अपील की कि वे पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण रसाई गैस आपूर्ति में आई बाधा के मद्देनजर अफवाहों पर ध्यान न दें और आग्रह किया कि केवल सत्यापित जानकारी ही प्रसारित की जाए।

मोदी ने यहां राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए तमिलनाडु में द्रमुक शासन की भी आलोचना की और कहा कि लोग ऐसी सरकार चाहते हैं जो हर परिवार के लिए काम करे, न कि केवल एक परिवार के लिए। उन्होंने कहा, मैं लोगों से अपील करना चाहूंगा कि हम केवल सही और सत्यापित जानकारी ही फैलाएं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस संघर्ष ने पूरी दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति शृंखला को प्रभावित किया है। उन्होंने कहा, ''घबराने या अफवाहों पर ध्यान देने की कोई जरूरत नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''हमने देखा है कि हमारी सरकार हमेशा भारत के हितों को सर्वोपरि रखती है।''

छत्तीसगढ़ में 108 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया

जगदलपुर (छत्तीसगढ़)/भाषा। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में बुधवार को सुरक्षा बलों के सामने 3.95 करोड़ रुपए के इनाम वाले 108 माओवादियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। बस्तर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पट्टिलिंगम ने बताया कि माओवादियों की 'दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी (डीकेएसजेडसी)' के कैडरों ने जिला मुख्यालय जगदलपुर में आत्मसमर्पण किया। प्रतिबंधित भाकपा (माओवादियों) के डीकेएसजेडसी समूह ने पहले बस्तर में कई जानलेवा हमले किए हैं। सुंदरराज ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले माओवादी कैडरों से प्राप्त सूचना तथा अन्य सूचना के आधार पर सुरक्षा बलों ने कार्रवाई करते हुए एके-47, इंसास, एलएमजी, बीजीएल सहित कुल 101 घातक हथियारों की बरामदगी विभिन्न 'डम्पों' से की, जो नक्सल विरोधी अभियानों की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने बताया कि नक्सल विरोधी अभियान के इतिहास में एक ही स्थल से सर्वाधिक 3.61 करोड़ रुपए नगद तथा 1.64 करोड़ रुपए मूल्य का एक किलोग्राम सोना माओवादियों के 'डम्प' से बरामद किया गया है।

कुम्भ मेले की वजह से वायरल हुई

मोनालिसा भोंसले ने अपने प्रेमी के साथ विवाह किया

तिरुवनंतपुरम/भाषा। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में लगे कुम्भ मेले से दुनियाभर में वायरल हुई मोनालिसा भोंसले ने अपने मुस्लिम प्रेमी के साथ पास के पुवर स्थित मंदिर में शादी कर ली। शादी से कुछ घंटे पहले मोनालिसा ने पुलिस से सुरक्षा मांगी थी, ताकि परिवार के दबाव से बचा जा सके।

इंदौर की रहने वाली यह लड़की अपनी मोहक मुस्कान और सुंदर आंखों के कारण प्रसिद्ध हुई थी, जब पिछले साल एक सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर ने कुम्भ मेले में रुद्राक्ष की माला बेचने का उसका वीडियो साझा किया था।

शादी समारोह नैनार मंदिर में संपन्न हुआ, जिसमें केरल के सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी, सत्ताधारी माकपा के प्रदेश सचिव एम वी गोविंदन एवं राज्यसभा सांसद ए ए रहीम और पार्टी के अन्य प्रमुख नेताओं की उपस्थिति रही।

दुल्हन ने लाल साड़ी पहनी थी, और सिंदूर लगा रखा था, जबकि दूल्हे ने सफेद शर्ट और मुंडू (धोती) पहनना था। लड़का महाराष्ट्र में अभिनेता के तौर पर काम करता है। दंपति ने बाद में कहा कि उन्हें केरल बहुत पसंद है और उन्हें यहां शादी करके खुशी हुई।

राहुल गांधी को सदन में नियमानुसार बोलना नहीं आता : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आचरण और सदन की कार्यवाही में उनकी भागीदारी पर तीखी टिप्पणियां करते हुए बुधवार को विपक्ष के इस आरोप को खारिज कर दिया कि उन्हें निचले सदन में बोलने नहीं दिया जाता।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष द्वारा लाए गए संकल्प पर चर्चा का जवाब देते हुए शाह ने यह भी कहा, ''आप प्रधानमंत्री के खिलाफ प्रस्ताव लाइए। हम मुद्दों पर जवाब देंगे। लेकिन लोकसभा अध्यक्ष को पद से हटाने के प्रस्ताव को मैं सामान्य बात नहीं मानता।''

शाह के भाषण के बाद, सदन ने ध्वनिमत से विपक्ष के प्रस्ताव को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, ''विपक्ष के नेता का यह आरोप सही नहीं है कि उन्हें बोलने नहीं दिया जाता। नेता प्रतिपक्ष की पार्टी लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ

प्रस्ताव लाई, उस पर भी वह नहीं बोले। वह बोलना ही नहीं चाहते। बोलना चाहते हैं तो नियमानुसार बोलना नहीं आता। यह कोई सभा (रैली) नहीं है, यहां नियमानुसार बोलना होता है।''

गृह मंत्री ने बिरला के खिलाफ लाए गए प्रस्ताव को दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुए कहा कि यह बहुत अफसोसजनक घटनाक्रम है। उन्होंने कहा, ''जब सदन के मुखिया की निष्ठा पर सवाल उठाया जाता है तो दुनिया में भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया की साख पर सवाल खड़े हो जाते हैं।''

शाह ने कहा कि बजट सत्र के पहले चरण में लोकसभा अध्यक्ष के चैम्बर में ऐसा माहौल खड़ा किया गया कि अध्यक्ष की सुरक्षा की चिंता पैदा हो गई थी।

लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ प्रस्ताव ध्वनिमत से खारिज

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा ने अध्यक्ष ओम बिरला को पद से हटाने के लिए लाए गए प्रस्ताव को बुधवार को ध्वनिमत से खारिज कर दिया। कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद द्वारा पेश किए गए संकल्प पर 12 घंटे से अधिक समय की चर्चा और गृह मंत्री अमित शाह के जवाब के बाद, पीठासीन सभापति जगदंबिका पाल ने इसे मतदान के लिए सदन के समक्ष रखा। सदन ने विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच, ध्वनिमत से संकल्प को अस्वीकृत कर दिया। संकल्प पर चर्चा और मतदान के दौरान बिरला सदन में उपस्थित नहीं थे। गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ संकल्प लाने को लेकर विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्षी दलों ने बिरला की निष्ठा पर सवाल खड़े किए हैं, जो बहुत अफसोसजनक है।

विपक्ष के नेता को सदन में बोलने नहीं दिया गया : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को दावा किया कि सदन में उन्हें बोलने से कई बार रोका गया है और देश के इतिहास में पहली बार विपक्ष के नेता को सदन में बोलने नहीं दिया गया।

सदन में अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष द्वारा लाए गए प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए रविशंकर प्रसाद ने संसदीय प्रणाली पर 'कॉल एंड शकधर' की एक किताब को उद्धृत करते हुए कहा कि नेता प्रतिपक्ष को राष्ट्रहित के मुद्दों पर बोलते समय ध्यानपूर्वक शब्दों का चयन करना चाहिए और विदेशी धरती पर दलीय राजनीति नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को यह किताब पढ़ लेनी चाहिए।

इस पर कांग्रेस के सदस्यों ने हंगामा किया और आसन के समीप आ गए। वह नेता प्रतिपक्ष को बोलने की अनुमति देने की मांग कर रहे थे।

आसन से अनुमति मिलने पर राहुल गांधी ने कहा, ''कई बार मुझे (यहां) बोलने से रोका गया है। भारत के इतिहास में पहली बार नेता विपक्ष को सदन में बोलने नहीं दिया गया।'' उन्होंने यह भी कहा, ''यह सदन देश की जनता की अभिव्यक्ति के लिए है। यह एक पार्टी का नहीं है, यह पूरे देश का प्रतिनिधित्व करता है। हम जब भी बोलने के लिए खड़े होते हैं तो हमें रोका जाता है।''

गौरतलब है कि राहुल गांधी को बजट सत्र के पिछले चरण में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए एक पूर्व सेना प्रमुख के संस्मरण को उद्धृत करने की अनुमति नहीं दी गई थी और बार-बार इस विषय को उठाने पर उन्हें बोलने की अनुमति नहीं दी गई।

राहुल गांधी ने आज यह भी कहा, ''हमारे प्रधानमंत्री ने समझौता कर लिया है। सब यह जानते हैं।''

'हमें जल संरक्षण को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाना होगा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

▪ जल जीवन मिशन की शुरुआत के बाद ग्रामीण नल कनेक्शन 17 से बढ़कर 82 फीसदी हुए : राष्ट्रपति

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि जल जीवन मिशन की शुरुआत के समय 2019 में जहां केवल 17 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों के पास नल से जल कनेक्शन थे, वहीं अब यह बढ़कर 82 प्रतिशत हो गए हैं।

जल महोत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि भारत में जल केवल एक बुनियादी सुविधा नहीं है, बल्कि यह देश की संस्कृति, परंपराओं, आजीविका और सामुदायिक जीवन से गहराई से जुड़ा हुआ है।

उन्होंने कहा, यह अत्यंत संतोष की बात है कि वर्तमान में लगभग 82 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों को नल से जल की सुविधा प्राप्त है, जबकि 2019 में जब जल जीवन मिशन शुरू किया गया था तब यह आंकड़ा केवल 17 प्रतिशत था। इस असाधारण सफलता के लिए मैं केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल और उनकी पूरी टीम को बधाई देती हूं।

राष्ट्रपति ने कहा, जल जीवन का आधार है। हमारी परंपराओं में जल को अनेक रोगों के उपचार के रूप में भी पूजनीय माना गया है। हमारे राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' जिसकी रचना की 150वीं वर्षगांठ हम मना रहे हैं का पहला शब्द 'सुजलाम्' है, जिसका अर्थ है 'उत्तम जल संसाधनों से समृद्ध'। इस प्रकार भारत में जल केवल एक मूलभूत सुविधा नहीं रहा है; यह हमारी संस्कृति, परंपराओं, आजीविका और सामुदायिक जीवन से गहराई से जुड़ा हुआ है।

मुर्मू ने रेखांकित किया कि पहले ग्रामीण परिवारों को पीने के पानी तक पहुंच के लिए काफी संघर्ष करना पड़ता था और महिलाओं व बच्चों को अक्सर इसे लाने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी। उन्होंने कहा कि आज स्वच्छ और सुरक्षित जल घरों तक पहुंच रहा है, जो जल जीवन मिशन की सफलता को दर्शाता है।

ईरान ने वाणिज्यिक जहाजों, दुबई हवाई अड्डे और तेल सुविधाओं को बनाया निशाना

▪ ईरान के इन हमलों का उद्देश्य वैश्विक अर्थव्यवस्था को इतना नुकसान पहुंचाना है, जिससे अमेरिका और इजराइल पर अपनी सैन्य कार्रवाई को बंद करने का दबाव पड़े।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/एपी। ईरान ने वैश्विक स्तर पर ऊर्जा संकट बढ़ने और अमेरिकी व इजराइली हवाई हमलों के बीच तेल-समृद्ध क्षेत्र पर दबाव बनाने के अपने अभियान को तेज करते हुए फारस की खाड़ी में वाणिज्यिक जहाजों पर हमला किया व दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को निशाना बनाया।

ईरान के दो ड्रोन दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास गिरे।

दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लंबी दूरी की उड़ान भरने वाली विमानन कंपनी अमीरात का मुख्यालय है और अंतरराष्ट्रीय यात्रा के लिए दुनिया का सबसे व्यस्त हवाई अड्डा है। दुबई मीडिया कार्यालय के अनुसार, इस हमले में चार लोग घायल हुए हालांकि उड़ान परिचालन जारी रहा।

ईरान के संयुक्त सैन्य कमान ने पश्चिम एशिया में बैंकों और वित्तीय संस्थानों को निशाना बनाने की कवायद शुरू करने की घोषणा की।

बारूदी सुरंग बिछाने वाले 16 ईरानी जहाज नष्ट किए : अमेरिकी सेना

दुबई/एपी। अमेरिका ने कहा है कि उसने बारूदी सुरंग बिछाने वाले ईरान के 16 जहाज नष्ट किए हैं वहीं ईरान ने क्षेत्र के तेल निर्यात को रोकने का प्रण करते हुए कहा कि वह अपने दुश्मनों को ''एक लीटर'' भी तेल भेजने की अनुमति नहीं देगा। युद्ध का होर्मुज जलडमरूमध्य पर पड़ने वाले असर को लेकर बढ़ती चिंता के बीच अमेरिकी सेना ने बारूदी सुरंग बिछाने वाले 16 ईरानी जहाजों को नष्ट करने का दावा करते हुए कुछ वीडियो भी जारी किए। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान द्वारा विस्फोटक लगाए जाने की कोई सूचना नहीं है। इसी जलमार्ग के जरिए दुनिया के करीब 20 प्रतिशत तेल की ढुलाई होती है।

ऊर्जा मार्गों में व्यवधान के लिए ईरान ने अमेरिका को जिम्मेदार ठहराया

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण ऊर्जा की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव के बीच, ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य से कच्चे तेल और गैस की ढुलाई में आई बाधाओं के लिए अमेरिका को जिम्मेदार ठहराया है। ईरान ने कहा कि समस्या का मूल कारण वाशिंगटन की ''अस्थिरता पैदा करने वाली कार्रवाइयां'' हैं। ईरान के विदेश मंत्रालय ने बुधवार को एक विज्ञप्ति जारी कर विदेश मंत्री एस जयशंकर और ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची के बीच मंगलवार रात फोन पर हुई वार्ता का विवरण प्रदान करते हुए यह बात कही। इसमें कहा गया है कि अराघची ने जयशंकर को पिछले 11 दिनों में अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान के खिलाफ किए गए ''अपराधों'' का विस्तृत विवरण प्रदान किया।

शीतला अष्टमी

शीतला अष्टमी के शुभ अवसर पर बुधवार को बीकानेर में शीतला माता मंदिर में महिला श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना की। मंदिर के बाहर भक्तों की लंबी कतारें देखी गईं।

नौकरी दिलाने के नाम पर 8500 लोगों से ठगी में व्यक्ति गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान के कोटा शहर की पुलिस ने नौकरी के नाम पर 8500 लोगों से ठगी के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार आरोपी अंतरराज्यीय नौकरी गिरोह का कथित सरगना है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि तकनीकी निगरानी और जांच के जरिये पुलिस ने बिहार से आरोपी को गिरफ्तार किया।

अधिकारी ने कहा कि आरोपी ने घर से कार्य करने के अवसर का वादा कर पीड़ितों से कथित तौर पर दो करोड़ रुपये एकत्र किए। पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान कुमार सानू उर्फ दीपक सिंह के रूप में हुई है और वह बिहार के खगड़िया जिले का रहने वाला है। उसे मंगलवार शाम को स्थानीय अदालत में पेश किया गया, जिसने आगे की पूछताछ के लिए 10 दिन की पुलिस रिमांड मंजूर की।

कोटा शहर की पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम ने बताया कि इस मामले की जांच 15 नवंबर, 2025 को अनंतपुरा थाना में कुलदीप शर्मा और कई अन्य पीड़ितों द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद शुरू हुई थी। शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया कि सिंह ने 'ओएसिस इंटरप्राइजेज' नामक एक कंपनी संचालित की जिसने घर से नौकरी के नाम पर लोगों को लुभाया। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने बेरोजगार युवाओं और महिलाओं को अखबार के विज्ञापनों के माध्यम से निशाना बनाया। उसने कथित तौर पर आवेदनकर्ताओं से 2,500 रुपये सुरक्षा राशि के रूप में वसूले।

योजना को बढ़ाने के लिए सिंह ने 'चेन मार्केटिंग मॉडल' अपनाया और हर नए सदस्य के लिए 500 रुपये का कमीशन देने का वादा किया। कुछ ही महीनों में उसने हजारों पीड़ितों से करीब दो करोड़ रुपये इकट्ठा किए और कोटा के सुभाष नगर स्थित अपना दफ्तर बंद कर फरार हो गया । शिकायत के बाद पुलिस ने जांच शुरू की तो सिंह के बिहार में होने की जानकारी मिली।

जिसके बाद पुलिस टीम ने भागलपुर जिले के नौगछिया स्थित एक होटल में छापा मारा जहां वह अपनी पत्नी के साथ छिपा हुआ था। पुलिस ने सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि उसकी पत्नी को परिवार के सदस्यों के साथ जाने की अनुमति दी गई।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तारी के दौरान सिंह के पास से 1,88,500 रुपये नकद, एक कार और कई नकली आधार तथा ई-श्रम कार्ड बरामद किए। पूछताछ में पता चला कि सिंह बिहार के दरभंगा, झारखंड के रांची, छत्तीसगढ़ के दुर्ग, उत्तर प्रदेश के सहारनपुर, राजस्थान के बीकानेर और मध्य प्रदेश के इंदौर में भी कथित तौर पर इसी तरह की ठगी को अंजाम दे चुका है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पश्चिम एशिया संकट के बीच राजस्थान में वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति बाधित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पश्चिम एशिया संकट के चलते वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति बाधित होने से राजस्थान में होटल, रेस्तरां, फैक्टरियां, शादी समारोहों के कैटरर्स और पर्यटन प्रतिष्ठान दैनिक संचालन में कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। घरेलू और वाणिज्यिक गैस उपभोक्ता सिलेंडर सुरक्षित करने के लिए गैस एजेंसियों का चक्कर लगाते देखे गए। वाणिज्यिक सिलेंडरों की नई बुकिंग नहीं हो रही है, जिससे विभिन्न उद्योग प्रभावित हुए हैं। उद्योग प्रतिनिधियों ने कहा कि संकट ने उन क्षेत्रों में अनिश्चितता पैदा कर दी है जो एलपीजी पर अत्यधिक निर्भर हैं।

रेस्तरां मालिकों का कहना है कि रसोई पहले से ही प्रभावित हो रही है और शादी समारोहों का खर्च भी गैस की कमी के कारण बढ़ने वाला है। 'जयपुर कैटरिंग डीलर्स कमेटी' के अनुसार, शहर में करीब 6,000 से 7,000 रेस्तरां और ढाबे वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडरों पर निर्भर हैं, इसके अलावा कई छात्रावास रसोईघर, 'मैस' सुविधाएं और हाईवे ढाबे भी रोजाना खाना बनाने के लिए इन सिलेंडरों का उपयोग करते हैं। कुछ रेस्तरां संचालक अब कोयला भट्ठी, डीजल बर्नर का सहारा लेने पर विचार कर रहे हैं। 'राजस्थान टेंट डीलर्स एसोसिएशन' के अध्यक्ष रवि जिंदल ने कहा कि सिलेंडरों की कमी से शादी का खर्च 25,000 से 30,000 रुपये तक बढ़ सकता है।

बुधवार को बीकानेर में भीषण गर्मी के बीच एक छात्र अपनी प्यास बुझाने के लिए पानी पीता हुआ दिखाई दिया।

राजस्थान में तेज गर्मी, सप्ताहांत आंधी-बारिश की संभावना

जयपुर। राजस्थान में मार्च के महीने में आसामान्य रूप से तेज गर्मी पड़ रही है और मौसम विभाग के अनुसार इस सप्ताहांत आंधी-बारिश की संभावना है जिससे तापमान में आंशिक गिरावट आएगी। जयपुर मौसम केंद्र के अनुसार इस समय राज्य के अधिकतर भागों में अधिकतम तापमान 36 से 40 डिग्री के बीच है जो सामान्य से 4 से 10 डिग्री सेल्सियस अधिक है। बुधवार सुबह तक के बीते 24 घंटों में सर्वाधिक तापमान बाड़मेर में 40.6 डिग्री सेल्सियस रहा।

झुंझुनू के पिलानी में यह 39.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार राज्य के अधिकतर भागों में आगामी तीन-चार दिन मौसम शुष्क रहने की संभावना है और अगले 48 घंटे तापमान में विशेष बदलाव नहीं होने तथा 10-11 मार्च को दक्षिण-पश्चिमी भागों में कहीं-कहीं लू चलने की संभावना है।

वहीं 12 मार्च से तापमान में हल्की गिरावट हो सकती है। इसी तरह 14-15 मार्च को एक नए पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से राज्य में कहीं-कहीं मेघगर्जन के साथ हल्की आंधी-बारिश होगी तथा तापमान में 2-3 डिग्री की गिरावट आएगी।

सरकारी अस्पताल से हत्या का आरोपी फरार, पांच पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान के बारां जिले में हत्या के एक मामले में आरोपी सोमवार देर रात जिले के एक सरकारी अस्पताल से कथित तौर पर फरार हो गया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी की तलाश के लिए कई टीमें गठित की गई हैं और कैदी के साथ तैनात पांच पुलिसकर्मियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, मध्यप्रदेश के ग्वालियर का रहने वाला बबलू जाट बारां जिले के छुपाबरोद थाने में दर्ज हत्या के एक मामले में 19 वर्षों से फरार था।

पुलिस ने बताया कि हाल ही में ग्वालियर की एक विशेष टीम ने एक महीने तक चले व्यापक तलाशी अभियान के बाद बबलू को गिरफ्तार किया था और उसे छुपाबरोद पुलिस को सौंप दिया गया, जिसके बाद उसे छाबड़ा जेल में डाल दिया गया। पुलिस के मुताबिक, सोमवार को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की शिकायत के बाद आरोपी को बारां जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था और इलाज के दौरान पुलिसकर्मियों व सुरक्षा गार्डों को उसके साथ तैनात किया गया था।

पुलिस ने बताया कि सोमवार देर रात आरोपी अस्पताल के कमरे की खिड़की तोड़कर और ड्यूटी पर तैनात सुरक्षा गार्डों को चकमा देकर कथित तौर पर फरार हो गया। बारां के पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंदासु ने बताया कि अस्पताल में मरीज के साथ तैनात एक हेड कांस्टेबल और चार गार्डों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई व प्रारंभिक विभागीय जांच शुरू कर दी गई है।

उन्होंने बताया कि फरार आरोपी का पता लगाने के लिए पुलिस ने विशेष टीमें गठित की हैं और संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि बबलू जाट पिछले 19 साल से ग्वालियर में रह रहा था और गिरफ्तारी से बचने के लिए अक्सर अपनी पहचान व हुलिया बदलता रहता था।

खेजड़ी संरक्षण के लिए सख्त कानून की दिशा में सरकार के प्रयास हुए तेज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य वृक्ष खेजड़ी के संरक्षण और पर्यावरण संतुलन को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा सख्त कानून लाने की दिशा में प्रयास तेज कर दिए गए हैं। इसी क्रम में संसदीय कार्य एवं विधि मंत्री जोगाराम पटेल की अध्यक्षता में गठित समिति की द्वितीय बैठक उनके जयपुर स्थित राजकीय आवास पर आयोजित की गई, जिसमें प्रस्तावित खेजड़ी संरक्षण अधिनियम के प्रारूप पर विस्तार से चर्चा करते हुए गहन मंथन किया गया।

बैठक में वन एवं पर्यावरण विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा, उद्योग राज्यमंत्री के.के. बिश्नोई, विधायक पब्बाराम बिश्नोई, पूर्व विधायक बिहारी लाल बिश्नोई सहित विधि विभाग के अधिकारी तथा अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में खेजड़ी वृक्षों के संरक्षण से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। प्रभारी मंत्री एवं संसदीय कार्य तथा विधि मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि राज्य वृक्ष खेजड़ी राजस्थान की संस्कृति, पर्यावरण और ग्रामीण जीवन का अभिन्न हिस्सा है। प्रदेश की मरुस्थलीय पारिस्थितिकी में इसका अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। खेजड़ी वृक्ष न केवल पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में सहायक है, बल्कि पशुधन के लिए चारे की उपलब्धता तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए इसके संरक्षण के लिए राज्य सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में पर्यावरण संरक्षण तथा जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए खेजड़ी वृक्षों के संरक्षण के लिए प्रभावी एवं सशक्त कानूनी प्रावधान सुनिश्चित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। राज्य सरकार का उद्देश्य ऐसा मजबूत कानून तैयार करना है, जिससे खेजड़ी वृक्षों की अवैध कटाई पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हो सके तथा प्रदेश की पारिस्थितिकी और पर्यावरणीय विरासत को सुरक्षित रखा जा सके।

पटेल ने बताया कि बैठक में अधिनियम के प्रस्तावित प्रारूप को लेकर विस्तृत चर्चा की गई तथा विभिन्न राज्यों में लागू वृक्ष संरक्षण संबंधी कानूनों का तुलनात्मक अध्ययन भी प्रस्तुत किया गया। समिति द्वारा वृक्ष संरक्षण के लिए तैयार किए जाने वाले प्रारूप विधेयक के विभिन्न प्रावधानों पर गहन मंथन किया गया तथा प्रत्येक बिंदु पर विस्तार से विचार-विमर्श करते हुए संभावित प्रावधानों पर सुझाव दिए गए। बैठक में समिति द्वारा सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि आगामी बैठक में विधेयक का प्रारूप प्रस्तुत किया जाएगा, ताकि उसे अंतिम रूप देने की दिशा में आगे की प्रक्रिया पूरी की जा सके। समिति की अगली बैठक 22 मार्च 2026 को आयोजित की जाना प्रस्तावित है।

गौ कल्याण के लिए राज्य सरकार लाएगी 'गौ सेवा नीति'

जयपुर। प्रदेश में गौ संरक्षण और संवर्धन के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक बड़ा कदम उठाते हुए गौ सेवा नीति, 2026 लाने की घोषणा की है। इस नीति के अंतर्गत गौ सेवा और गौ कल्याण को अधिक गति प्रदान की जाएगी, जिससे गोधन का विकास होगा। यह नीति ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने के साथ ही किसानों और पशुपालकों को संबल प्रदान करने में सहायक होगी। साथ ही, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशा अनुसार चार जातियों किसान, महिला, युवा और मजदूर के कल्याण के संकल्प को साकार करेगी। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने अपने 2 वर्ष से अधिक के कार्यकाल में पशुधन संरक्षण, संवर्धन एवं सुरक्षा की दिशा में समर्पित होकर कार्य किया है। मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना, राजस्थान सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना, मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक संबल योजना के माध्यम से पशुपालकों को संबल मिला है। वहीं पंजीकृत गौशालाओं में बड़े पशु के लिए प्रतिदिन 50 रुपये तथा छोटे पशु के लिए प्रतिदिन 25 रुपये का अनुदान गौ संरक्षण की दिशा में कारगर साबित हुआ है। इसी प्रकार राज्य सरकार ने कृषक कल्याण के लिए भी महत्वपूर्ण पहलें की हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि एवं मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में प्रदेश के किसानों को 9 हजार रुपये प्रतिवर्ष राशि सुनिश्चित करते हुए लगभग 11 हजार करोड़ रुपये की राशि उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की गई है।

सोशल मीडिया रील्स को लेकर हुए विवाद में छात्र की हत्या

कोटा। कोटा में सोशल मीडिया रील्स को लेकर हुए विवाद के बाद दो. तीन युवकों ने कथित तौर पर लोहे की छड़ों और चाकू से वार कर 17 वर्षीय एक छात्र की हत्या कर दी। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह घटना मंगलवार रात 11 बजे उद्योग नगर थाना क्षेत्र के प्रेम नगर में हुई। पीड़ित एक शादी समारोह से लौट रहा था तभी उसे रोका गया। मृतक की पहचान प्रेम नगर के जगा बस्ती निवासी 11वीं कक्षा के छात्र शुभम सैन के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, चौथ माता मंदिर के पास हुए हमले में सैन को गंभीर चोटें आईं। उसे तत्काल न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

उद्योग नगर सर्कल इंस्पेक्टर जितेंद्र सिंह ने बताया कि सैन के पेट में गहरे घाव थे और अत्यधिक रक्तस्राव के कारण वह मौके पर ही बेहोश होकर गिर पड़ा। सिंह ने बताया कि मृतक के परिजनों की शिकायत के बाद पुलिस ने विशाल और राज बच्चा नामक दो आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है। घटना के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए और अभी तक उन्हें पकड़ा नहीं जा सका है।

उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि मृतक और आरोपी के बीच सोशल मीडिया सामग्री को लेकर लंबे समय से प्रतिद्वंद्विता चल रही थी। सैन सोशल मीडिया मंच पर रील बनाकर अपलोड करता था, जिसे विवाद का कारण माना जा रहा है। सिंह ने कहा, विवाद के सटीक कारण का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच जारी है। बुधवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

आरक्षण खिड़की व ट्रेन ठहराव के लिए बाकरा निवासियों ने सौंपा ज्ञापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बाकरा। राजस्थान के जालोर जिले के बाकरा रोड रेलवे स्टेशन समदड़ी-भीलड़ी रेलमार्ग पर सुपरफास्ट और एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव और कम्प्युटरीकृत आरक्षण विंडो की सुविधा उपलब्ध कराने के संदर्भ में बाकरा ग्राम के निवासियों ने रेलमंत्री अश्विन वैष्णव को एक ज्ञापन दिया। ग्रामवासियों ने जिला कलेक्टर के माध्यम से यह लिखित व हस्ताक्षरित ज्ञापन सौंपा और बाकरा स्टेशन पर कम्प्युटरीकृत आरक्षण विंडो व विभिन्न ट्रेनों के ठहराव उपलब्ध कराने का निवेदन किया गया। बाकरा ग्रामवासियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

राजस्थान दिवस 2026 : कार्यक्रमों की शुरुआत 14 से, मुख्य समारोह 19 को जालोर में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। इस साल भी 'राजस्थान दिवस' चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को मनाया जाएगा और इसके कार्यक्रमों की शुरुआत 14 मार्च से होगी। अधिकारियों ने जानकारी देते हुए कहा कि मुख्य समारोह 19 मार्च को जालोर में होगा। अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर पिछले वर्ष से चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के अवसर पर राजस्थान दिवस मनाने की शुरुआत की गई थी, इसी क्रम में इस बार भी राज्य सरकार चैत्र शुक्ल प्रतिपदा (19 मार्च) को राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रम एवं आयोजन करेगी। उन्होंने बताया कि राज्य भर में 14 मार्च से कार्यक्रमों की शुरुआत सात दिवसीय स्वच्छता सप्ताह से होगी।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि इस दौरान जयपुर में राज्य स्तरीय कार्यक्रम और सभी जिलों में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित होंगे। इसमें कहा गया, 15 मार्च को जयपुर में राज्य स्तरीय 'विकसित राजस्थान रन' का आयोजन होगा, जिसे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इसी दिन 'राजस्थान को जानें' डिजिटल प्रतियोगिता भी आयोजित होगी। बयान में कहा गया कि विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में निबंध, भाषण और चित्रकला प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। शाम को दिल्ली के बीकानेर हाउस में पांच दिवसीय 'राजस्थान दिवस' की शुरुआत होगी।

इसमें कहा गया, 16 मार्च को डूंगरपुर के बेणेश्वर धाम में 'राजस्थान जनजातीय गौरव दिवस' मनाया जाएगा। इस दौरान विकास कार्यों का शिलान्यास, जनजातीय कला और हस्तशिल्प प्रदर्शनी, तथा संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 17 मार्च को जयपुर में 'राजस्थान युवा शक्ति दिवस' मनाते हुए राज्य स्तरीय युवा सम्मेलन होगा। बयान में कहा गया कि 18 मार्च को किसान एवं पशुपालक समृद्धि दिवस मनाया जाएगा, और शाम को राजकीय मंदिरों में महाआरती आयोजित की जाएगी, जिसमें मुख्यमंत्री भी शामिल होंगे। इसमें कहा गया कि राजस्थान दिवस का मुख्य समारोह 19 मार्च को जालोर में आयोजित होगा और लाभार्थी सम्मेलन में लाभार्थियों के साथ संवाद व प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण किया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने पर्यटन, कला-साहित्य एवं संस्कृति तथा पुरातत्व विभाग की समीक्षा बैठक ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री तथा पर्यटन, कला-साहित्य एवं संस्कृति तथा पुरातत्व मंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में बुधवार को पर्यटन भवन में राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के चैयरमैन ओंकार सिंह लाखावत, अतिरिक्त मुख्य सचिव पर्यटन,कला-साहित्य एवं संस्कृति तथा पुरातत्व प्रवीण गुप्ता की उपस्थिति में पर्यटन व कला, साहित्य एवं संस्कृति तथा पुरातत्व विभाग से सम्बंधित विभिन्न विषयों, योजनाओं तथा बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

उपमुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठक में वित्तीय वर्ष 2024-25, 2025-2026 की लंबित बजट घोषणाओं के त्वरित क्रियान्वयन तथा वर्ष 2026-2027 के लिए की गई बजट घोषणाओं की समय सीमा बनाकर संबंधित कार्यकारी एजेंसीज के साथ समन्वय कर डीपीआर/ लागत प्रस्ताव तैयार करवा कर अग्रिम कार्यवाही कराने निर्देश प्रदान किए।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि 14 से 19 मार्च तक राजस्थान दिवस सप्ताह को पूर्ण भव्यता के साथ प्रदेश भर में आयोजित किया जावे। कार्यक्रम में क्षेत्रीय लोक कलाओं का भव्यता से प्रदर्शन किया जाए तथा राज्य की कला एवं संस्कृति को केंद्र में रख कर राजस्थान दिवस समारोह को सफल बनाया जाए। उन्होंने इसके साथ ही यह भी निर्देश दिए की 18 नवंबर 2027 में जयपुर के स्थापना के तीन सौ वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। इस हेतु एक समग्र कार्य योजना बनाकर इसे एक भव्य महोत्सव के रूप में मनाए जाने हेतु आवश्यक तैयारियां की जाएं।

दिया कुमारी ने वित्तीय वर्ष 2026-27 की बजट घोषणाओं की अनुपालना में राज्य के प्रत्येक संभाग स्तर पर वहां की प्रसिद्ध नृत्य शैलियों पर आधारित नृत्य उत्सव आयोजित करने के निर्देश दिए। जिससे कि उस क्षेत्र के लोक कलाकारों को स्थानीय स्तर पर मंच प्राप्त हो सके। इसके साथ ही स्थानीय लोगों के साथ वहां आने वाले पर्यटकों को क्षेत्रीय लोक संस्कृति से परिचित होने का अवसर भी मिल सके।उपमुख्यमंत्री ने जयपुर में आने वाले पर्यटकों को दिन व रात में भ्रमण कराने हेतु पर्यटन विभाग- निजी सहभागिता से डे व नाइट बस टूर ऑपरेट करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने पर्यटक सहायता बल की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि गाइड्स को स्थानीय कला, संस्कृति, इतिहास की अधिकृत जानकारी देने हेतु रिफ्रेशर कोर्स कराए जाए। इन्हें संस्कृति एवं इतिहास के विशेषज्ञों से व्यावसायिक प्रशिक्षण दिलाया जाए ताकि पर्यटकों को भ्रमण के दौरान ऐतिहासिक व सांस्कृतिक विरासत की वास्तविक जानकारी मिल सके। उन्होंने पर्यटन विभाग की ओर से तैयार किए जाने वाले एप व वैबपोर्टल पर शीघ्रता से कार्य करने क निर्देश दिए।

मोदी ने 5,650 करोड़ रु. की परियोजनाओं का उद्घाटन किया, कहा- तमिलनाडु के युवाओं के लिए नौकरी के अवसर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुचिरापल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को तमिलनाडु में लगभग 5,650 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया तथा राष्ट्र को समर्पित किया। इसके साथ ही मोदी ने कहा कि इन परियोजनाओं से राज्य के युवाओं के लिए हजारों नौकरियां पैदा होंगी।

प्रधानमंत्री ने इस दौरान दो 'अमृत भारत' एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखायी। इन ट्रेनों में से एक का परिचालन नागरकोइल और चर्लपल्ली के बीच, जबकि दूसरे का पोत्तनूर (कोयंबटूर) एवं धनबाद के बीच होगा। इसके अलावा उन्होंने दो अन्य एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखायी। इन ट्रेनों के परिचालन से तमिलनाडु और अन्य क्षेत्रों, जैसे तेलंगाना, कर्नाटक, केरल और पूर्वी भारत के बीच रेलवे कनेक्टिविटी मजबूत होगी।

पेट्रोलियम क्षेत्र में, प्रधानमंत्री ने भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के सिटी गैस वितरण नेटवर्क का नीलगिरि और इरोड जिलों में शिलान्यास किया, जिसमें 3,680 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश है। इस परियोजना से 8.8 लाख से अधिक घरों को पीएनजी कनेक्शन, 200 से अधिक वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को गैस आपूर्ति और 201 से अधिक सीएनजी स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि ये परियोजनाएं तमिलनाडु के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा, यह लगभग 5,600 करोड़ रुपये की परियोजनाओं से संबंधित है। ये परियोजनाएं बुनियादी ढांचे, स्वच्छ ऊर्जा, पेट्रोलियम-संबंधित विनिर्माण, राजमार्ग, रेलवे और ग्रामीण सड़कों से संबंधित हैं। इन परियोजनाओं से ऊर्जा पहुंच और कनेक्टिविटी बढ़ेंगी तथा तमिलनाडु के युवाओं के लिए हजारों नौकरियां पैदा होंगी।

केंद्र तमिलनाडु के विकास की प्रतिबद्धता के प्रति पूरी तरह से समर्पित : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुचिरापल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को तमिलनाडु में करीब 5,650 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया तथा कहा कि ये परियोजनायें राज्य के युवाओं के लिए हजारों नौकरियां सृजित करेंगी। परंपरागत कुर्ता और धोती पहने कार्यक्रम में शामिल हुये मोदी ने कहा, तिरुचिरापल्ली के इस अद्भुत शहर में आकर बहुत अच्छा लगा। आज का कार्यक्रम तमिलनाडु के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है। इन परियोजनाओं की कुल लागत 5,600 करोड़ रुपये से अधिक की हैं।

उन्होंने कहा, ''ये परियोजनायें अवसंरचना, स्वच्छ ऊर्जा, पेट्रोलियम से संबंधित विनिर्माण, राजमार्ग, रेलवे और ग्रामीण सड़कों से जुड़ी हैं। इससे ऊर्जा पहुंच, और कनेक्टिविटी बढ़ेगी तथा तमिलनाडु के युवाओं के लिए हजारों नौकरियाँ पैदा होंगी।'' प्रधानमंत्री ने इस दौरान दो ''अमृत भारत' एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखायी। इन ट्रेनों में से एक का परिचालन नागरकोइल और चर्लपल्ली के बीच, जबकि दूसरे का पोत्तनूर (कोयंबटूर) एवं धनबाद के बीच होगा। इसके अलावा उन्होंने दो अन्य एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखायी। इन ट्रेनों के परिचालन से तमिलनाडु और अन्य क्षेत्रों, जैसे तेलंगाना, कर्नाटक, केरल और पूर्वी भारत के बीच रेलवे कनेक्टिविटी मजबूत होगी। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, एल मुरुगन, अन्नाद्रमुक महासचिव एडप्पादी के. पॉलनीस्वामी, और प्रदेश भाजपा प्रमुख नैनार नागेंद्रन के साथ मोदी ने भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के सिटी गैस वितरण नेटवर्क का शिलान्यास किया, जिसका निर्माण नीलगिरी और इरोड जिलों में 3,680 करोड़ रुपये से अधिक के लागत पर किया जायेगा।

इस परियोजना से 8.8 लाख से अधिक घरों को पीएनजी कनेक्शन मिलेगा, 200 से अधिक व्यावसायिक संस्थानों को गैस मिलेगी और 201 से अधिक सीएनजी स्टेशन स्थापित होंगे। मोदी ने चेन्नई के मनाली में 1,490 करोड़ रुपये की लागत से बने आईओसीएल ल्यूब प्लांट को राष्ट्र को समर्पित किया, जिसकी क्षमता 6.72 लाख मीट्रिक टन प्रति वर्ष है। उन्होंने कहा, यह अपने प्रकार की दुनिया की सबसे बड़ी सुविधाओं में से एक है। यह संयंत्र तमिलनाडु और बाहर के कई महत्वपूर्ण उद्योगों की मांग पूरी करेगा। यह संयंत्र स्थानीय ल्यूब्रिकेंट उत्पादन में वृद्धि करेगा और आयात को कम करने में महत्वपूर्ण साबित होगा। इससे देश का पैसा भी बचेगा। सभी परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद मोदी ने कहा, हमारा लक्ष्य विकसित देश के लिये विकसित तमिलनाडु का निर्माण करना है। केंद्र सरकार तमिलनाडु के लोगों के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हम राज्य की प्रगति के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं और आगे भी करेंगे। इस मौके पर मोदी ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत तमिलनाडु में 370 किमी लंबी 89 ग्रामीण सड़कों का उद्घाटन किया, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में बाजार, स्कूल और स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच में सुधार होगा।

मोदी ने कहा, ''इनमें से हर सड़क केवल अवसंरचना नहीं है, बल्कि मरीज बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच सकते हैं, छात्र स्कूल एवं कॉलेज जा सकते हैं, किसान अपने उत्पाद बेचने या सामग्री खरीदने जा सकते हैं। कुल मिलाकर ये सड़कें ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ाती हैं और जीवन की सुविधा बढ़ाती हैं।'' मोदी ने एनएच -81 पर गंगाइकुंडा चोलापुरम के पास ग्रीनफील्ड बाईपास के शिलान्यास का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले साल उन्होंने आदि तिरुवथिराई उत्सव के लिए गंगाइकुंडा चोलापुरम का दौरा किया था। उन्होंने कहा, हमने सम्राट राजेंद्र चोल द्वारा भव्य मंदिर के निर्माण की शुरुआत के 1,000 साल मनाए। यह एक यूनेस्को मान्यता प्राप्त स्थल है, जिसे दुनिया भर के पर्यटक देखने आते हैं। नए बाईपास के निर्माण से मंदिर के पास से गुजरने वाले वाहन हट जाएंगे, जिससे तीर्थयात्रियों की सुरक्षा बेहतर होगी।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत पेट्रोलियम सिटी गैस वितरण परियोजना लगभग 9 लाख परिवारों और सैकड़ों व्यावसायिक संस्थानों को पाइप्ड नेचुरल गैस उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा, पाइप्ड गैस सीधे घर तक पहुंचेगी, जीवन की सुविधा बढ़ेगी। हजारों नौकरियाँ सीधे और अप्रत्यक्ष रूप से पैदा होंगी। प्राकृतिक गैस पर्यावरण के अनुकूल ईंधन है और वायु प्रदूषण कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसके सकारात्मक पर्यावरणीय प्रभाव लगभग 4 करोड़ पेड़ों के बराबर होंगे। मोदी ने एक मार्च की मदुरै यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने अमृत भारत कार्यक्रम के तहत आठ आधुनिकीकृत रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन किया था। उन्होंने कहा, आज कई नई ट्रेन सेवायें झंडी दिखाकर रवाना की जा रही हैं।

केंद्र ने तमिलनाडु के विकास के लिए 13 लाख करोड़ रुपए की परियोजनाओं को मंजूरी दी : एल मुरुगन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुचिरापल्ली। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री एल मुरुगन ने बुधवार को कहा कि केंद्र ने पिछले 12 वर्षों में तमिलनाडु की 13 लाख करोड़ रुपए की नयी परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

मुरुगन ने प्रधानमंत्री की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक मार्च को आए थे और उन्होंने 5,600 करोड़ रुपये की नयी परियोजनाओं का अनावरण किया था। आज उन्होंने 6,500 करोड़ रुपये की नई परियोजनाओं का अनावरण किया है।

उन्होंने कहा, पिछले 12 वर्षों में उन्होंने राज्य की प्रगति के लिए 13 लाख करोड़ रुपये की नयी परियोजनाओं का उद्घाटन किया है। मोदी ने अपनी विभिन्न पहलों के माध्यम से तमिल भाषा, संस्कृति, साहित्य और इसके साथ ही संत तिरुवल्लुवर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई।

शुभारंभ के मौके पर पलक्कड़ पोल्लाची मेमू ट्रेन रवाना होते हुए।

विभिन्न रेल परियोजनाओं का प्रधानमंत्री ने किया शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/एर्नाकुलम। प्रधानमंत्री ने बुधवार को एर्नाकुलम दौरे के दौरान पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन किया, एक विद्युतीकरण परियोजना राष्ट्र को समर्पित की और नई ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को केरल के एर्नाकुलम का दौरा किया और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय और रेल मंत्रालय जैसे विभिन्न मंत्रालयों की महत्वपूर्ण परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और राष्ट्र को समर्पित किया। माननीय प्रधानमंत्री की उपस्थिति में आयोजित मुख्य समारोह में केरल के राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर, केंद्रीय राज्य मंत्री सुरेश गोपी और जॉर्ज कुरियन तथा सांसद हिबी ईडन के साथ-साथ वरिष्ठ सरकारी अधिकारी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

साथ ही, शोरानूर, कुट्टीपुरम, चांगनास्सेरी और पलक्कड़ सहित पुनर्निर्मित स्टेशनों और अन्य संबंधित स्थानों पर औपचारिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में स्थानीय जन प्रतिनिधियों, रेलवे अधिकारियों, यात्रियों और आम जनता ने भाग लिया। एर्नाकुलम में आयोजित समारोह का सभी स्थानीय समारोह स्थलों पर सीधा प्रसारण किया गया, जिससे प्रतिभागियों और आम जनता को उद्घाटन और ध्वजारोहण समारोह देखने का अवसर मिला। केरल के 3 पुनर्निर्मित रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम के दौरान, प्रधानमंत्री ने अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पुनर्निर्मित तीन रेलवे स्टेशनों, शोरानूर जंक्शन रेलवे स्टेशन, कुट्टीपुरम रेलवे स्टेशन और चांगनास्सेरी रेलवे स्टेशन का उद्घाटन किया। लगभग 52 करोड़ रुपये की कुल लागत से विकसित इन स्टेशनों को आधुनिक यात्री सुविधाओं, बेहतर आवागमन क्षेत्रों और सुगम पहुंच के साथ-साथ स्थानीय स्थापत्य और सांस्कृतिक तत्वों को समाहित करते हुए उन्नत बनाया गया है। पुनर्विकसित स्टेशनों की प्रमुख विशेषताओं में उन्नत स्टेशन भवन, बेहतर प्रतीक्षा क्षेत्र, उन्नत प्लेटफॉर्म शेल्टर, बेहतर प्रकाश व्यवस्था, यात्री सूचना प्रणाली, लिफ्ट और एस्केलेटर तथा मुफ्त वाई-फाई सुविधाएं शामिल हैं। यह पुनर्विकास अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत देशव्यापी रेलवे स्टेशन रूपांतरण का हिस्सा है। शोरानूर जंक्शन पर आयोजित स्थानीय औपचारिक समारोह में श्रीकंदन, संसद सदस्य और पी. मम्मीकुट्टी, विधायक ने भाग लिया। कुट्टीपुरम में, विधायक आबिद हुसैन थंगल ने इस अवसर की शोभा बढ़ाई। पलक्कड़ जंक्शन पर विधायक राहुल मनकूट्टाथिल और मंडल रेलवे प्रबंधक/पलक्कड़ मधुकर रोत की उपस्थिति में उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। शोरानूर-नीलांबुर रेलवे लाइन का विद्युतीकरण राष्ट्र को समर्पित किया गया। प्रधानमंत्री ने लगभग 90 करोड़ रुपये की लागत से पूरी की गई शोरानूर-नीलाम्बुर रेलवे लाइन विद्युतीकरण परियोजना (65 किमी) को राष्ट्र को समर्पित किया। इस खंड के विद्युतीकरण से शोरानूर में लोकोमोटिव बदलने की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी, जिससे ट्रेनों का संचालन तेज और अधिक कुशल हो सकेगा और कार्बन उत्सर्जन में कमी लाकर पर्यावरण के अनुकूल रेल परिवहन में योगदान मिलेगा।

पलक्कड़-पोलाची मेमू सेवा को हरी झंडी दिखाई गई। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने पलक्कड़-पोल्लाची एमईएमयू ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह नई सेवा केरल और तमिलनाडु के बीच रेल संपर्क को मजबूत करेगी। इससे दोनों राज्यों के बीच यात्रा करने वाले दैनिक यात्रियों, व्यापारियों, तीर्थयात्रियों और पर्यटकों को सुविधाजनक और किफायती परिवहन साधन मिलेगा। पहली विशेष ट्रेन, ट्रेन संख्या 06623 पलक्कड़-पोल्लाची एमईएमयू, पलक्कड़ जंक्शन रेलवे स्टेशन से रवाना हुई और पलक्कड़ टाउन, पुदुनागरम, कोल्लेनगोडे, मुथलमदा, मीनाचीपुरम और अनाइमलाई रोड सहित मध्यवर्ती स्टेशनों को पार करते हुए अपने गंतव्य पोलाची पहुंची। नवनिर्मित रेलवे अवसंरचना और सेवाएं यात्रियों की सुविधा को काफी हद तक बढ़ाएंगी, केरल और तमिलनाडु के बीच अंतर-राज्यीय संपर्क को मजबूत करेंगी और बेहतर गतिशीलता और टिकाऊ परिवहन समाधानों के माध्यम से क्षेत्र के आर्थिक विकास को समर्थन देंगी।

सूरत-कुरनूल ग्रीन एक्सप्रेस हाईवे से दिल्ली-चेन्नई की दूरी 320 किमी घटेगी : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को बताया कि सरकार ने सूरत और कुरनूल के बीच नया ग्रीन एक्सप्रेस हाईवे बनाने का निर्णय लिया है, जिससे दिल्ली और चेन्नई के बीच की दूरी लगभग 320 किलोमीटर कम हो जाएगी।

राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान पूरक सवालों के जवाब में गडकरी ने कहा कि इस राजमार्ग के निर्माण के बाद दिल्ली और मुंबई के बीच यात्रा समय भी घटकर 12 घंटे से कम हो जाएगा। उनसे कोल्हापुर में सड़क अवसंरचना के विकास से जुड़े सवाल पूछे गए थे जहां यातायात और जाम की समस्या अधिक है। मंत्री ने कहा कि मुंबई से दिल्ली के बीच बन रहा एक्सप्रेस हाईवे लगभग 70-80 प्रतिशत पूरा हो चुका है। उन्होंने बताया कि सूरत के बाद नया ग्रीन एक्सप्रेस हाईवे सूरत से नासिक, अहमदनगर, शोलापुर होते हुए कुरनूल तक जाएगा। वहां से यह मार्ग आगे चेन्नई, कन्याकुमारी, बेंगलूरु, हैदराबाद और कोच्चि से जुड़ेगा। गडकरी ने कहा कि यह उत्तर भारत और दक्षिण भारत के बीच एक नई कनेक्टिविटी प्रदान करेगा, जिससे दूरी कम होने के साथ-साथ परिवहन लागत और यात्रा समय भी घटेगा। उन्होंने कहा कि यह मार्ग पुणे से कोल्हापुर तक की कनेक्टिविटी के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है।

स्टालिन ने पश्चिम एशिया में फंसे तमिलों की सुरक्षित वापसी को लेकर प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखा

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से पश्चिम एशिया में फंसे तमिल लोगों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने का बुधवार को आग्रह किया। स्टालिन ने साथ ही पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण घरेलू गैस रसोई (एलपीजी) आपूर्ति में आई बाधाओं को दूर करने के लिए तत्काल हस्तक्षेप का अनुरोध किया। प्रधानमंत्री को लिखे एक पत्र में, स्टालिन ने पश्चिम एशिया युद्ध के राज्य के प्रवासी समुदाय और उसकी ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ने वाले दोहरे प्रभाव पर प्रकाश डाला। स्टालिन ने 'एक्स' पर कहा, ''पश्चिम एशिया में युद्ध के मद्देनजर, मैंने तमिलनाडु और विदेशों में रहने वाले हमारे लोगों को प्रभावित करने वाले अत्यावश्यक मुद्दों पर प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) को पत्र लिखा है।'' तमिल प्रवासी समुदाय की सुरक्षा के संबंध में, स्टालिन ने केंद्र सरकार से पारगमन वीजा की सुविधा प्रदान करने, समन्वित प्रयासों और संघर्ष क्षेत्र में फंसे लोगों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त उड़ानों के परिचालन में सहायता मांगी।

सीबीआई ने बिटकॉइन क्रिप्टोकरेंसी घोटाले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया

चेन्नई। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने डार्विन लैब्स प्राइवेट लिमिटेड के सह-संस्थापक और सीटीओ आयुष वर्शनी को गेनबिटकॉइन क्रिप्टोकरेंसी धोखाधड़ी मामले में गिरफ्तार किया है, जिसकी जांच सीबीआई कर रही है। यह मामला वेरिएबलटेक प्राइवेट लिमिटेड द्वारा शुरू की गई कथित गेनबिटकॉइन पोंजी योजना से संबंधित है, जिसमें निवेशकों को उच्च प्रतिफल का लालच देकर धोखाधड़ी वाली क्रिप्टोकरेंसी योजना में निवेश करने के लिए प्रेरित किया गया था।

निवेशकों से एकत्र की गई धनराशि का बाद में दुरुपयोग किया गया। इस मामले की जांच भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 120बी, 406 और 420 तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 66 के तहत की जा रही है।

भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय के दिनांक 13 दिसम्बर 2023 के आदेश के अनुसार सीबीआई द्वारा जांच की जा रही है, जिसके तहत गेनबिटकॉइन धोखाधड़ी में समान आरोपों से संबंधित एफआईआर की जांच सीबीआई द्वारा एक सामान्य जांच एजेंसी के रूप में करने का निर्देश दिया गया था।

जांच के दौरान, एमसीएपी नामक क्रिप्टो टोकन और उससे संबंधित ईआरसी-20 स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट के डिजाइन, विकास और तैनाती में डार्विन लैब्स प्राइवेट लिमिटेड और उसके सह-संस्थापकों, जिनमें आरोपी आयुष वर्शनी, साहिल बागला और निकुंज जैन (वाओमी एआई में मुख्य पूंजी अधिकारी/संस्थापक) शामिल हैं, की भूमिका सामने आई। डार्विन लैब्स प्राइवेट लिमिटेड ने धोखाधड़ी वाली योजना के संपूर्ण तकनीकी ढांचे को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसमें बिटकॉइन माइनिंग पूल प्लेटफॉर्म, बिटकॉइन पेमेंट गेटवे, कॉइन बैंक बिटकॉइन वॉलेट और गेन बिटकॉइन निवेशक वेबसाइट शामिल हैं। अभियुक्त फरार होने के कारण उसके विरुद्ध लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया गया। 9 मार्च को मुंबई में आव्रजन अधिकारियों ने उसे भारत छोड़ने का प्रयास करते समय रोक लिया और बाद में उसे सीबीआई को सौंप दिया गया।

राज्यसभा में द्रमुक ने गैस संकट पर संसद में चर्चा कराये जाने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। राज्यसभा में बुधवार को द्रमुक ने देश में प्राकृतिक एवं रसोई गैस संकट बढ़ने का दावा करते हुए सरकार से इस मुद्दे पर संसद में चर्चा करवाने और इसका समाधान निकालने की मांग की। उच्च सदन में द्रमुक के तिरुचि शिवा ने ग्रामीण विकास मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि यद्यपि भारत ने अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच युद्ध में सीधे कोई हिस्सा नहीं लिया है किंतु इस युद्ध का व्यापक प्रभाव पड़ा है विशेषकर ईंधन, प्राकृतिक गैस और रसोई गैस पर। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे से निबटने के लिए हर राज्य बैठकें कर रहा है।

द्रमुक सदस्य ने कहा कि गैस की कमी के कारण रेस्त्रां बंद हो रहे हैं, कीमतें बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि सभी घरों में इसे लेकर चिंता जतायी जा रही है। उन्होंने कहा कि यह बहुत दुखद बात है कि इस मुद्दे पर संसद में चर्चा नहीं हो रही। शिवा ने सुझाव दिया कि इस मुद्दे पर संसद में चर्चा होनी चाहिए और इसका समाधान निकाला जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे ग्रामीण भारत के लोग भी प्रभावित हो रहे हैं।

उन्होंने कहा, हमें परिस्थिति के अनुरूप काम करना चाहिए। सरकार संसद के प्रति जवाबदेह है तथा संसद लोगों के प्रति जवाबदेह है। जब लोगों को दिखेगा कि

संसद काम कर रही है और इस मुद्दे पर विचार नहीं कर रही है तो उन्हें परेशानी होगी तथा हम जवाबदेह होंगे।''

द्रमुक सदस्य ने मनरेगा के स्थान पर लायी गयी वीबी जी राम जी योजना के तहत राज्यों पर 40 प्रतिशत का आर्थिक बोझ डालने का विरोध किया और कहा कि राज्य सरकार पर पहले से ही आर्थिक बोझ है। चर्चा में भाग लेते हुए बहुजन समाज पार्टी के रामजी ने कहा कि गांवों के विकास से ही देश का विकास संभव है। उन्होंने कहा कि गांवों में स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, स्वच्छता, कृषि आदि पर जोर दिये बिना वास्तविक ग्रामीण विकास संभव नहीं हो पाएगा।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में दलित एवं आदिवासी जिस भूमि पर 50 साल से अधिक समय से रह रहे हैं, आज उनको वहां से हटाया जा रहा है और उनके घरों पर बुलडोजर चलाया जा रहा है। उन्होंने प्रश्न किया कि कि ऐसे में दलित एवं आदिवासी लोग कहां जाएंगे? चर्चा में भाग लेते हुए शिवसेना (उबाठा) की प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि भारत की दो तिहाई से अधिक आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है और इसके प्रति सरकार को पूरी तरह से गंभीरता दिखानी चाहिए। उन्होंने महाराष्ट्र का जिक्र करते हुए कहा कि उनका राज्य कृषि संकट से गुजर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में बड़ी संख्या में किसान आत्महत्या कर रहे हैं।

चतुर्वेदी ने कहा कि केंद्र सरकार वीबी जी राम जी योजना का बहुत प्रचार कर रही है किंतु इसके कारण राज्यों पर कितना आर्थिक बोझ आएगा, इस बारे में कोई प्रचार नहीं किया जा रहा। उन्होंने दावा कि इस सरकार के कार्यकाल में मनरेगा के तहत लोगों को साल भर में औसतन 48 दिन ही रोजगार मिल पाया है।

सुविचार

अहंकार और प्रेम एक ही दिल में नहीं रह सकते। जहाँ अहंकार आता है, वहाँ से प्रेम धीरे-धीरे विदा ले लेता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

एकजुट होकर चुनौती का सामना करें

लोकतंत्र में सत्ता पक्ष के साथ विपक्ष की भी कुछ जिम्मेदारियां होती हैं। एक बड़ी जिम्मेदारी यह है कि जब देश के सामने कोई चुनौती आए तो सारे मतभेद भुला दें और सरकार एवं नागरिकों के साथ मिलकर काम करें। इससे देश की ताकत बढ़ती है। चुनौती पर जल्दी जीत हासिल होती है। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल इस बात से बिल्कुल ही अनभिज्ञ हैं। उन्होंने ईरान के इजराइल-अमेरिका से युद्ध और भारत में रसोई गैस सिलेंडरों की उपलब्धता के बारे में जो बयान दिया है, वह हकीकत से परे है। केजरीवाल केंद्र सरकार की खूब आलोचना करें। यह उनका अधिकार है, लेकिन एक वरिष्ठ राजनेता के तौर पर उनकी जिम्मेदारी है कि वे सच बोलें। केजरीवाल कहते हैं, 'वे (प्रधानमंत्री) जाकर सीधे इजराइल और अमेरिका के साथ तथा ईरान के खिलाफ खड़े हो गए।' क्या प्रधानमंत्री जब विदेश जाकर उनके शीर्ष राजनेताओं से मुलाकात करते हैं तो इसका यह मतलब है कि वे अन्य देशों के खिलाफ खड़े हो गए? यह कैसा तर्क है? विभिन्न देशों के साथ मधुर संबंध रखना विदेश नीति का अनिवार्य हिस्सा है। प्रधानमंत्री मोदी पूर्व में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिल चुके हैं। इन मुलाकातों को कौनसे देश के खिलाफ माना जाएगा? जब दो देशों के शीर्ष राजनेता इस तरह मिलते हैं तो वे अपनी निजी दोस्ती निभाने के लिए नहीं मिलते। उनके लिए अपने देशों के हित ही सर्वोच्च होते हैं। इजराइल और ईरान, दोनों के साथ भारत के संबंध अच्छे हैं। ईरान के पास तेल और गैस हैं, इजराइल के पास उन्नत तकनीक है। वहां बड़ी संख्या में भारतीय नौकरी करते हैं। अगर भारत को तेल और गैस की तथा ईरान को खाद्यान्न की जरूरत हो, तो क्या दोनों देश इस वजह से बातचीत न करें, क्योंकि इजराइल नाराज हो जाएगा? अगर भारत को अत्याधुनिक ड्रोन की और इजराइल को प्रतिभाशाली इंजीनियरों की जरूरत हो, तो क्या दोनों देश इस वजह से बातचीत न करें, क्योंकि ईरान को बुरा लगेगा?

केजरीवाल का यह कथन भी समझ से परे है- '(प्रधानमंत्री मोदी को) युद्ध शुरू होने से एक दिन पहले इजराइल जाने की क्या जरूरत थी? युद्ध शुरू होने से एक दिन पहले नेतन्याहू को गले लगाने की क्या जरूरत थी? ऐसा करके उन्होंने पूरे देश को संकट में डाल दिया।' क्या इजराइल और ईरान के शीर्ष राजनेता युद्ध करने से पहले, भारतीय प्रधानमंत्री को चिट्ठियां लिखते हैं? इन दोनों देशों के संबंध दशकों से खराब हैं। इनके नेता एक-दूसरे के खिलाफ आग उगलते रहते हैं। इनके सैन्य अधिकारी एक-दूसरे को ललकारते रहते हैं। अगर ये अपने हर बयान पर कायम रहते तो अब तक एक-दूसरे को दुनिया के नक्शे से मिटा चुके होते! किसे पता था कि दोनों देशों में भिड़ंत हो ही जाएगी? किसने सोचा होगा कि खामेनेई की हत्या कर दी जाएगी? कौन जानता था कि हमास इजराइल के नागरिकों पर बहुत घातक हमला करेगा? इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद, जिसके कारनामों की काफी चर्चा होती है, वह भी हमास के मंसूबों को नहीं भांप पाई थी। दुनिया में हर घटना का हमेशा सटीक अनुमान नहीं लगाया जा सकता। केजरीवाल कह सकते हैं कि नेतन्याहू को गले लगाने से भारत में ईंधन की समस्या आई है। क्या ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियान को गले लगाते तो गैस सिलेंडरों के जहाज भर-भरकर आते? ऐसा नहीं है। उस स्थिति में भी ये दोनों देश लड़ते और नतीजा यही निकलता। ऐसा न समझें कि प्रधानमंत्री मोदी ईरान की खुलकर हिमायत करते तो भारत में रसोई गैस संबंधी कोई समस्या नहीं होती। क्या होता अगर ईरान हमारे जहाजों की सुरक्षित निकासी का वचन देता, लेकिन अमेरिका उन पर हमला कर देता? युद्ध में ऐसी घटनाएं हो सकती हैं। उस स्थिति में अमेरिका अपनी गलती स्वीकार करने के बजाय पूरा मलबा ईरान या किसी उग्रवादी संगठन पर डाल सकता था। तब केजरीवाल यह कहकर केंद्र सरकार को आड़े हाथों लेते कि 'क्या जरूरत थी मसूद पेज़ेशकियान को गले लगाने की? अगर ट्रंप से मिलते तो हमारे जहाज सुरक्षित होते!' दुनिया में अनिश्चितता हमेशा रहेगी। हमारे चाहने मात्र से न तो नेतन्याहू ईरान को आम भेजेंगे और न वहां से उनके लिए गुलाब आएंगे। हमें हर घटना के अनुभव से शिक्षा लेते हुए अपने देश के भविष्य को सुरक्षित बनाने पर जोर देना चाहिए। एकजुट होकर चुनौती का सामना करना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

इंफ्रास्ट्रक्चर पर लगने वाला हर रुपया नए रोजगार का सृजन करता है। ये जितने भी प्रोजेक्ट है, इनसे केरलम के हजारों नौजवानों को नए रोजगार मिलने वाले है। मुझे पूरा भरोसा है, कि ये सभी प्रोजेक्ट विकसित केरलम के हमारे संकल्प को सिद्ध करने में अहम भूमिका निभाएंगे।

-नरेन्द्र मोदी

राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री एवं प्रतापगढ़ विधानसभा के लोकप्रिय विधायक श्री हेमंत मीणा जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। मैं ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन की कामना करती हूं।

-दिया कुमारी

पहले जो तीन बार प्रस्ताव आया था, वो तब आया जब कांग्रेस पार्टी सत्ता में थी, लेकिन हम कभी नहीं लाए। तीनों बार ये परंपरा रही कि जब स्पीकर पर अविश्वास प्रस्ताव की चर्चा होगी तब इस स्थान पर स्पीकर साहब स्थान ग्रहण नहीं करेंगे।

-अमित शाह

प्रेरक प्रसंग

ईश्वर पर विश्वास

एक अंग्रेज मित्र तथा कु. मूलर के साथ स्वामी विवेकानंद जी मैदान में टहल रहे थे, उसी समय एक पागल सांड तेजी से उनकी ओर बढ़ने लगा। अंग्रेज सज्जन भाग कर पहाड़ी के दूसरी छोर पर जा खड़े हुए। कु. मूलर भी जितना हो सका, दौड़ी और घबराकर गिर पड़ीं। स्वामी विवेकानंद जी उन्हें सहायता पहुंचाने का कोई और उपाय न देख खुद सांड के सामने खड़े हो गये और सोचने लगे, 'चलो, अंत आ ही पहुंचा।' बाद में अंग्रेज मित्र ने बताया था कि उस समय उनका मन हिसाब करने में लगा हुआ था कि सांड उन्हें कितनी दूर फेंकेगा। लेकिन कुछ देर बाद वे ठहर गये और पीछे हटने लगे।

अपने कायरतापूर्ण पलायन पर अंग्रेज बड़ा लज्जित हुआ। कु. मूलर ने पूछा कि वे ऐसी खतरनाक स्थिति से सामना करने का साहस कैसे जुटा सके? स्वामीजी ने पत्थर के दो टुकड़े उठाकर उन्हें आपस में टकराते हुए कहा, खतरे और मृत्यु के समक्ष में स्वयं को चमकते पत्थर के समान सबल महसूस करता हूं, क्योंकि मैंने ईश्वर के चरण स्पर्श किये हैं।

सामयिक

विश्व किडनी दिवस : स्वस्थ जीवन की ओर एक पहल

महेन्द्र तिवारी
मोबाइल : 9989703240

विश्व किडनी दिवस हर वर्ष मार्च के दूसरे गुरुवार को मनाया जाने वाला एक वैश्विक स्वास्थ्य जागरूकता अभियान है, जिसका उद्देश्य लोगों को किडनी के महत्व और किडनी से जुड़ी बीमारियों के प्रति जागरूक करना है। आधुनिक जीवनशैली, बदलती खान-पान की आदतें और बढ़ती स्वास्थ्य समस्याओं के कारण आज किडनी रोग तेजी से बढ़ रहे हैं। इसलिए यह दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि मानव स्वास्थ्य से जुड़े एक गंभीर विषय की ओर समाज का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास है। दुनिया भर में स्वास्थ्य विशेषज्ञ, चिकित्सक, सामाजिक संगठन और सरकारें इस दिन के माध्यम से लोगों को यह संदेश देती हैं कि किडनी हमारे शरीर का अत्यंत महत्वपूर्ण अंग है और इसकी सुरक्षा के लिए समय रहते सावधानी बरतना आवश्यक है।

मानव शरीर में सामान्यतः दो किडनी होती हैं, जो रीढ़ की हड्डी के दोनों ओर स्थित रहती हैं। ये आकार में भले ही छोटी होती हैं, लेकिन शरीर के संतुलन को बनाए रखने में इनकी भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। किडनी का मुख्य कार्य रक्त को शुद्ध करना और शरीर से अपशिष्ट पदार्थों को मूत्र के माध्यम से बाहर निकालना है। इसके अलावा किडनी शरीर में पानी और खनिजों का संतुलन बनाए रखने, अम्ल-क्षार संतुलन को नियंत्रित करने, रक्तचाप को नियंत्रित करने और लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यदि किडनी ठीक से कार्य न करे तो शरीर में विषैले तत्व जमा होने लगते हैं, जिससे अनेक गंभीर स्वास्थ्य समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं।

विश्व किडनी दिवस की शुरुआत वर्ष 2006 में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किडनी रोगों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से की गई थी। तब से यह दिन हर वर्ष विश्व भर में मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य यह है कि लोग किडनी के स्वास्थ्य को गंभीरता से लें और समय-समय पर अपनी जांच कराते रहें। आज दुनिया भर में करोड़ों लोग किडनी से संबंधित बीमारियों से प्रभावित हैं। अनुमान है कि विश्व में लगभग 85 करोड़ लोग किसी न किसी रूप में किडनी रोग से प्रभावित हैं और कई लोगों को इसकी जानकारी भी नहीं होती।

किडनी को स्वस्थ रखने के लिए कुछ सरल लेकिन प्रभावी उपाय अपनाए जा सकते हैं। पर्याप्त मात्रा में पानी पीना, संतुलित और पौष्टिक भोजन करना, नमक और तले-भुने भोजन का कम सेवन करना, नियमित व्यायाम करना और धूम्रपान-शराब से दूर रहना किडनी के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है। इसके अलावा मधुमेह और उच्च रक्तचाप के मरीजों को अपने स्वास्थ्य की नियमित जांच करानी चाहिए।

किडनी रोगों की सबसे बड़ी समस्या यह है कि इनके शुरुआती चरण में अक्सर कोई स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं देते। इसी कारण इसे साइलेंट किलर भी कहा जाता है। कई बार लोगों को तब पता चलता है जब किडनी की कार्यक्षमता काफी कम हो चुकी होती है। यदि समय रहते इसका पता चल जाए तो उपचार और जीवनशैली में बदलाव के माध्यम से इस रोग को नियंत्रित किया जा सकता है। लेकिन यदि रोग लंबे समय तक अनदेखा किया जाए तो किडनी फेलियर की स्थिति उत्पन्न हो सकती है, जिसमें मरीज को डायलिसिस या किडनी प्रत्यारोपण की आवश्यकता पड़ती है। क्रोनिक किडनी रोग यानी सीकेडी आज विश्व स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। यह रोग धीरे-धीरे महीनों या वर्षों में विकसित होता है और किडनी की कार्यक्षमता को कम कर देता है। कई अध्ययनों के अनुसार विश्व में लगभग हर दस में से एक व्यक्ति किसी न किसी स्तर पर क्रोनिक किडनी रोग से प्रभावित है। यदि इसका समय पर उपचार न किया जाए तो यह किडनी फेलियर का रूप ले सकता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि आने वाले वर्षों में किडनी रोग वैश्विक स्तर पर मृत्यु और बीमारी का एक बड़ा कारण बन सकता है।

किडनी रोगों के कई प्रमुख कारण होते हैं, जिनमें सबसे महत्वपूर्ण मधुमेह और उच्च रक्तचाप हैं। ये दोनों बीमारियाँ किडनी की रक्त वाहिकाओं को प्रभावित करती हैं और धीरे-धीरे उसकी कार्यक्षमता को कम कर देती हैं। इसके अलावा मोटापा, असंतुलित आहार, धूम्रपान, शराब का अत्यधिक सेवन, दर्द निवारक दवाओं का अधिक उपयोग और पर्याप्त पानी न पीना भी किडनी को नुकसान पहुंचा सकते हैं। आधुनिक जीवनशैली में लोगों की शारीरिक गतिविधि कम हो गई है और तनाव तथा अनियमित दिनचर्या बढ़ गई है, जो किडनी रोगों के जोखिम को और बढ़ाती है।

किडनी रोग केवल एक स्वास्थ्य समस्या नहीं है, बल्कि यह सामाजिक और आर्थिक चुनौती भी है। जब किसी व्यक्ति को किडनी फेलियर हो जाता है, तो उसे नियमित डायलिसिस की आवश्यकता पड़ती है। यह प्रक्रिया महंगी होती है और कई परिवारों के लिए आर्थिक बोझ बन जाती है। कई देशों में किडनी प्रत्यारोपण ही अंतिम विकल्प होता है, लेकिन इसके लिए उपयुक्त दाता और पर्याप्त चिकित्सा सुविधाओं की आवश्यकता होती है। इसलिए विशेषज्ञों का मानना है कि किडनी रोगों की रोकथाम और प्रारंभिक पहचान पर अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए।

किडनी को स्वस्थ रखने के लिए कुछ सरल लेकिन प्रभावी उपाय अपनाए जा सकते हैं। पर्याप्त मात्रा में पानी पीना, संतुलित और पौष्टिक भोजन करना, नमक और तले-भुने भोजन का कम सेवन करना, नियमित व्यायाम करना और धूम्रपान-शराब से दूर रहना किडनी के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है। इसके अलावा मधुमेह और उच्च रक्तचाप के मरीजों को अपने स्वास्थ्य की नियमित जांच करानी चाहिए, क्योंकि ये दोनों बीमारियाँ किडनी को सबसे अधिक प्रभावित करती हैं। समय-समय पर रक्त और मूत्र परीक्षण कराने से किडनी की स्थिति का पता लगाया जा सकता है और किसी भी समस्या का प्रारंभिक चरण में ही उपचार संभव हो सकता है। विश्व किडनी दिवस का महत्व इस बात में भी है कि यह समाज को यह याद दिलाता है कि स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता ही बीमारी से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका है। जब लोग किडनी के महत्व को समझेंगे और अपने जीवन में स्वस्थ आदतों को अपनाएंगे, तभी किडनी रोगों के बढ़ते खतरे को कम किया जा सकेगा।

नजरिया

फूहड़ कंटेंट, सोशल मीडिया और संस्कृति : जिम्मेदारी किसकी ?

डॉ. प्रियंका सौरभ
मोबाइल : 7015375570

सोशल मीडिया एक शक्तिशाली माध्यम है। यह समाज को जोड़ भी सकता है और भटका भी सकता है। फर्क केवल इस बात से पड़ता है कि हम इसे किस तरह उपयोग करते हैं। यदि क्रिएटर्स जिम्मेदारी के साथ कंटेंट बनाएँ और दर्शक विवेकपूर्ण तरीके से उसे चुनें, तो यही प्लेटफॉर्म संस्कृति के संरक्षण और रचनात्मक अभिव्यक्ति का सबसे बड़ा मंच बन सकता है। आखिरकार, संस्कृति किसी एक व्यक्ति, एक वीडियो या एक ट्रेंड से न तो बनती है और न ही खत्म होती है। यह समाज की सामूहिक चेतना और निर्णयों से आकार लेती है।

डिजिटल युग ने हमारे समाज की संरचना, सोच और अभिव्यक्ति के तरीकों को गहराई से बदल दिया है। आज मोबाइल फोन और इंटरनेट के माध्यम से कोई भी व्यक्ति कुछ ही सेकंड में लाखों लोगों तक पहुंच सकता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने अभिव्यक्ति को लोकतांत्रिक बनाया है-जहां पहले मनोरंजन और प्रसिद्धि के अवसर सीमित लोगों तक होते थे, वहीं अब हर व्यक्ति के पास अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच है। लेकिन इस नए अवसर के साथ कई नई चुनौतियाँ भी सामने आई हैं। इन चुनौतियों में सबसे बड़ी बहस उस कंटेंट को लेकर है जिसे समाज का एक वर्ग फूहड़ या अशोभनीय मानता है। पिछले कुछ वर्षों में सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो तेजी से वायरल होते देखे गए हैं जिनमें डांस, अभिनय या मनोरंजन के नाम पर ऐसे हाव-भाव और प्रस्तुति दिखाई जाती है जिन्हें कई लोग सांस्कृतिक मूल्यों के विरुद्ध मानते हैं। इन वीडियो को लाखों व्यूज, लाइक्स और शेयर मिलते हैं, जिससे वे और अधिक लोगों तक पहुंचते हैं। लोकप्रियता की इस दौड़ में कई बार कंटेंट की गुणवत्ता और सामाजिक जिम्मेदारी पीछे छूट जाती है।

समाज के एक बड़े वर्ग का मानना है कि इस प्रकार के कंटेंट का प्रभाव विशेष रूप से युवाओं और किशोरों पर पड़ता है। जब वे देखते हैं कि कुछ लोग केवल कुछ सेकंड के वीडियो बनाकर अत्यधिक प्रसिद्धि और आर्थिक लाभ प्राप्त कर रहे हैं, तो उनके मन में भी वैसा ही करने की इच्छा पैदा हो सकती है। कई बार यह प्रेरणा रचनात्मक दिशा में जाती है-जैसे संगीत, कला, नृत्य या शिक्षा से जुड़े कंटेंट बनाना। लेकिन कई मामलों में यह प्रेरणा केवल वायरल होने की दौड़ में बदल जाती है, जहां ध्यान आकर्षित करने के लिए किसी भी प्रकार का तरीका अपनाया जाता है। यह भी देखा गया है कि सोशल मीडिया पर ट्रेंड और एल्गोरिद्म का बहुत बड़ा प्रभाव होता है। जो कंटेंट अधिक देखा और साझा किया जाता है, वही तेजी से फैलता है। ऐसे में यदि दर्शक बार-बार उसी प्रकार के वीडियो देखते हैं जिन्हें वे स्वयं फूहड़ कहते हैं, तो अनजाने में वे उसी प्रवृत्ति को बढ़ावा भी दे रहे होते हैं। इसलिए केवल कंटेंट बनाने वालों को दोष देना इस समस्या का पूरा समाधान नहीं है। दर्शक भी इस डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। दूसरी ओर, यह तर्क भी सामने आता है कि कला और मनोरंजन की अपनी स्वतंत्रता होती है। नृत्य, अभिनय और अभिव्यक्ति के कई रूप होते हैं, और हर व्यक्ति उन्हें अलग-अलग तरीके से देखता है। जो एक व्यक्ति को अनुचित लगता है, वही दूसरे के लिए केवल मनोरंजन या कला का एक रूप हो सकता है। इसी कारण इस विषय पर समाज में तीखी बहस देखने को मिलती है। कुछ लोग इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हिस्सा मानते हैं, जबकि अन्य इसे सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों के क्षरण के रूप में देखते हैं।

यहाँ एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है-क्या किसी भी प्रकार की लोकप्रियता को सफलता का मानक माना जाना चाहिए? सोशल मीडिया ने प्रसिद्धि प्राप्त करने की प्रक्रिया को बहुत तेज कर दिया है। पहले किसी कलाकार को पहचान पाने में वर्षों लग जाते थे; आज एक वायरल वीडियो किसी को रातों-रात स्टार बना सकता है। लेकिन यह त्वरित प्रसिद्धि कई बार स्थायी नहीं होती और इसके सामाजिक प्रभाव भी जटिल हो सकते हैं। कई युवा इस भ्रम में पड़ सकते हैं कि केवल विवादास्पद या ध्यान आकर्षित करने वाला कंटेंट ही सफलता का रास्ता है। परिणामस्वरूप वे अपनी प्रतिभा को विकसित करने की बजाय तात्कालिक लोकप्रियता के पीछे भागने लगते हैं। यह प्रवृत्ति न केवल व्यक्तिगत विकास को प्रभावित करती है, बल्कि समाज में मनोरंजन की गुणवत्ता पर भी असर डालती है।

संस्कृति की बात करें तो यह किसी एक व्यक्ति या एक पीढ़ी की देन नहीं होती। संस्कृति सदियों के अनुभव, परंपराओं और सामाजिक मूल्यों से बनती है। इसमें परिवर्तन भी होता रहता है-क्योंकि हर युग अपने साथ नए विचार और नए रूप लेकर आता है। लेकिन परिवर्तन और अतिरेक के बीच संतुलन बनाए रखना भी आवश्यक है। जब मनोरंजन का उद्देश्य केवल सनसनी या ध्यान आकर्षित करना बन जाए, तो समाज में यह चिंता स्वाभाविक है कि कहीं हम अपने मूल्यों से दूर तो नहीं जा रहे। इस संदर्भ में परिवार, शिक्षा और समाज की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। बच्चों और युवाओं को यह समझाना जरूरी है कि इंटरनेट पर दिखने वाली हर चीज़ अनुकरण के योग्य नहीं होती। डिजिटल साक्षरता-यानी यह समझ कि ऑनलाइन दुनिया कैसे काम करती है-आज के समय की बड़ी आवश्यकता बन गई है। यदि युवा यह समझ पाएँ कि एल्गोरिद्म कैसे काम करते हैं, व्यूज और लाइक्स कैसे बढ़ते हैं, और किस प्रकार का कंटेंट उन्हें प्रभावित कर सकता है, तो वे अधिक जागरूक निर्णय ले सकेंगे।

कंटेंट क्रिएटर्स की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। जो लोग लाखों दर्शकों तक पहुंच रखते हैं, उनके पास समाज को प्रभावित करने की शक्ति भी होती है। यदि वे अपनी लोकप्रियता का उपयोग सकारात्मक संदेश, रचनात्मक कला और प्रेरणादायक सामग्री के लिए करें, तो वही सोशल मीडिया समाज के लिए एक सशक्त मंच बन सकता है। कई उदाहरण ऐसे भी हैं जहां क्रिएटर्स ने शिक्षा, लोक संस्कृति, भाषा और परंपराओं को बढ़ावा देने का काम किया है और लाखों लोगों को प्रभावित किया है। इसलिए समाधान केवल विरोध या बहिष्कार में नहीं, बल्कि संतुलित दृष्टिकोण में है। समाज को यह तय करना होगा कि वह किस प्रकार के कंटेंट को बढ़ावा देना चाहता है। यदि दर्शक रचनात्मक, ज्ञानवर्धक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध सामग्री को अधिक समर्थन देंगे, तो स्वाभाविक रूप से वही कंटेंट अधिक दिखाई देगा। सोशल मीडिया का एल्गोरिद्म अंततः दर्शकों की पसंद पर ही निर्भर करता है।

इसके साथ ही प्लेटफॉर्म कंपनियों की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे ऐसे मानक और नीतियाँ विकसित करें जो समाज के व्यापक हितों का ध्यान रखें। कई प्लेटफॉर्म पहले से ही समुदाय दिशानिर्देश (लेर्गीपळीं र्सीळवशश्रळपशी) लागू करते हैं, लेकिन उनकी प्रभावशीलता इस बात पर निर्भर करती है कि उन्हें कितनी गंभीरता से लागू किया जाता है। अंततः यह समझना जरूरी है कि संस्कृति की रक्षा केवल नारों या हैशटैग से नहीं होती। संस्कृति तब मजबूत होती है जब समाज अपने व्यवहार, चुनाव और प्राथमिकताओं के माध्यम से उसे जीवित रखता है। यदि हम वास्तव में अपनी सांस्कृतिक पहचान को सुरक्षित रखना चाहते हैं, तो हमें सकारात्मक विकल्पों को बढ़ावा देना होगा-चाहे वह लोक कला हो, पारंपरिक संगीत हो, साहित्य हो या आधुनिक लेकिन संवेदनशील और जिम्मेदार मनोरंजन।

सोशल मीडिया एक शक्तिशाली माध्यम है। यह समाज को जोड़ भी सकता है और भटका भी सकता है। फर्क केवल इस बात से पड़ता है कि हम इसे किस तरह उपयोग करते हैं। यदि क्रिएटर्स जिम्मेदारी के साथ कंटेंट बनाएँ और दर्शक विवेकपूर्ण तरीके से उसे चुनें, तो यही प्लेटफॉर्म संस्कृति के संरक्षण और रचनात्मक अभिव्यक्ति का सबसे बड़ा मंच बन सकता है। आखिरकार, संस्कृति किसी एक व्यक्ति, एक वीडियो या एक ट्रेंड से न तो बनती है और न ही खत्म होती है। यह समाज की सामूहिक चेतना और निर्णयों से आकार लेती है। इसलिए यह जिम्मेदारी हम सबकी है-क्रिएटर की भी, दर्शक की भी और समाज की भी।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दुनिया में हो रहे संघर्ष चुने हुए नेताओं की नीतियों का नतीजा : प्रकाश झा

मुंबई/एजेन्सी

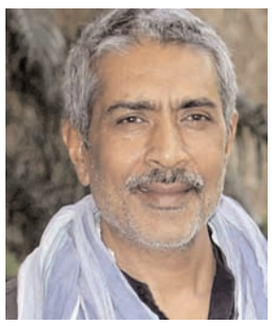

सत्याग्रह, राजनीति, गंगाजल, जय गंगाजल और आरक्षण जैसी गंभीर विषयों पर आधारित फिल्मों का निर्माण कर चुके निर्माता-निर्देशक प्रकाश झा ने कलाकार की जिम्मेदारी के साथ ही देश-दुनिया के मौजूदा हालात पर खुलकर बात की। प्रकाश झा अपनी अपकमिंग वेब सीरीज 'संकल्प' को लेकर उत्साहित हैं, जिसकी निर्माता उनकी बेटी दिशा झा हैं। यह सीरीज जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी। इस बीच प्रकाश झा ने इराक-इजरायल सहित दुनिया के मौजूदा राजनीतिक माहौल पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि आज का वैश्विक परिदृश्य लोगों द्वारा चुने गए नेताओं का परिणाम है, जो अपनी नीतियों से समाज की दिशा तय करते हैं। प्रकाश झा ने कहा, यह एक रोचक समय है। लोग ऐसे नेता चुन रहे हैं जिनका दौर, विचार, राजनीति और नेतृत्व शैली सब अलग है। मेरे लिए यह दिलचस्प है कि मैंने दुनिया को बदलते देखा है और इसके पीछे के सिस्टम को समझने की कोशिश की है। प्रकाश झा की फिल्में अक्सर सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर आधारित होती हैं। उन्होंने मौजूदा राजनीतिक माहौल में एक कलाकार के रूप में अपनी भूमिका पर भी प्रकाश डाला।

प्रकाश झा ने बताया, मेरा काम है कि दुनिया में जो कुछ हो रहा है, उसे कहानियों के माध्यम से लोगों तक पहुंचाना और साझा करना। यही इसका मजेदार हिस्सा है। मैंने इसका आनंद लिया है और आगे भी लेता रहूंगा। मेरा स्पष्ट मानना है कि मैं समय नहीं बदल सकता। हमें समय के साथ बदलना पड़ता है। यही सत्य है। इसलिए मैं दुनिया में इन चीजों से प्रभावित होता हूं।

फिल्ममेकर ने आगे कहा, जब आप दया, विनम्रता और मानवता देखते हैं, तो विश्वास जागता है, लेकिन तबाही, मौत, पीड़ा और दर्द देखकर दुख होता है। यह जीवन का हिस्सा है और आपको समझना होगा कि आप इन समस्याओं को बहुत हद तक कम कर सकते हैं, बशर्ते घटनाओं के कारणों को समझकर उन्हें सही तरीके से बता सकें। यही प्रयास है, लेकिन मैं समाज और समय के साथ हूं और ईमानदारी से जीने की कोशिश कर रहा हूं। प्रकाश झा ने वैश्विक संघर्षों पर चिंता जताते हुए कहा कि ये सब चुने गए नेताओं की नीतियों का नतीजा हैं। उन्होंने जोर दिया कि कलाकार का दायित्व है कि वह इन मुद्दों को अपनी कला के जरिए उजागर करे, ताकि लोग जागरूक हों।

मैं कभी भी एक अच्छी डांसर नहीं रहीं : जीनत अमान

नई दिल्ली/भाषा

अभिनेत्री जीनत अमान का कहना है कि वह कभी भी एक अच्छी डांसर नहीं रहीं। उन्होंने बताया कि जल्द ही फिल्मकारों को भी यह समझ आ गया था कि उनसे कठिन नृत्य कराने के बजाय उन्हें अपने सहज अंदाज में थिरकने के लिए छोड़ देना ही बेहतर है। जीनत अमान ने पुरानी यादों को ताजा करते हुए सोमवार को अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी 1979 की फिल्म 'द ग्रेट गैम्बलर' के गाने 'ओ दीवानों दिल संभालो' का एक वीडियो क्लिप साझा किया। जीनत अमान ने कहा, जैसा कि मैंने पहले भी जिक्र किया है कि मैं कभी भी बहुत अच्छी नर्तकी नहीं रही क्योंकि उस समय की अधिकांश अभिनेत्रियों की तरह मैंने नृत्य का कभी कोई औपचारिक प्रशिक्षण नहीं लिया था। अभिनेत्री ने लिखा, इसके बावजूद, मैं ताल पर थिरकना जानती थी। कई निर्देशकों को भी यह समझ आ गया था कि मुझ पर कठिन नृत्य कराने का बोझ डालकर परेशान होने के बजाय मुझे मेरे अपने ही सहज अंदाज में थिरकने के लिए छोड़ देना कहीं बेहतर है। उन्होंने आशा भोसले द्वारा गाए गए इस गीत को अपना सबसे पसंदीदा गाना बताया। उन्होंने लिखा, 'द ग्रेट गैम्बलर' का एक और हिट! फिल्म का सबसे प्रिय गीत था, जिसे दर्शकों ने दिल खोलकर सराहा। इस गाने में कोई रोमांस नहीं है बल्कि ये एक ऐसी महिला के आत्मविश्वास और बेबाकी को दिखाता है जिसे इस बात का अच्छी तरह अहसास है कि उसके चाहने वाले बहुत हैं। शक्ति सामंत के निर्देशन में बनी इस फिल्म का संगीत मशहूर संगीतकार दिवंगत आर. डी. बर्मन ने तैयार किया था। फिल्म की कहानी बच्चन की दोहरी भूमिका, जय और विजय के इर्द-गिर्द घूमती है। वहीं, अमान शबनम के किरदार में नजर आई जिन्हें जय से प्रेम हो जाता है इस फिल्म में नीतू सिंह, प्रेम चोपड़ा, उत्पल दत्त, मदन पुरी , हेलेन सहित अन्य कलाकार भी थे।

हल्लाबोल

अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा ने अन्य सदस्यों के साथ बुधवार को नई दिल्ली स्थित एआईसीसी मुख्यालय पर एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

शाहरुख संग काम करने के लिए उत्सुक हूं : सौरभ शुक्ला

मुंबई/एजेन्सी

एक्टर सौरभ शुक्ला ने सुपरस्टार शाहरुख खान की करियर जर्नी और उनकी शानदार पर्सनैलिटी की जमकर तारीफ की है। 'बादशाह' और 'हे राम' जैसी फिल्मों में शाहरुख के साथ काम कर चुके सौरभ अपकमिंग फिल्म 'किंग' में नजर आएंगे, जिसे लेकर वह उत्साहित हैं। उन्होंने बताया कि शाहरुख की जर्नी शानदार और दूसरों के लिए प्रेरणा है। सौरभ शुक्ला ने बताया, शाहरुख की जर्नी शानदार है। इतने सालों से वह इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं और जिस तरह से उन्होंने अपना करियर बनाया है, उस पोजीशन पर पहुंचे हैं, वह वाकई प्रेरणा देता है। उन्होंने शाहरुख के व्यक्तित्व को लेकर कहा, एक इंसान के तौर पर वह हमेशा से बहुत चार्मिंग रहे हैं। आप उनसे मिलते हैं तो बस बात खत्म नहीं करना चाहते। वह अपने काम से प्रभावित करते हैं और बातचीत के दौरान आपको बहुत महत्व और खास महसूस कराते हैं।

सौरभ ने आगे बताया, शाहरुख में लोगों से जुड़ने की खास काबिलियत है। बात करते वक्त ऐसा लगता है कि इस बातचीत में मेरी भी जरूरत है। यही अपनापन उन्हें सच में कमाल का बनाता है। वह बहुत कमाल के हैं। 'किंग' एक्शन-ड्रामा फिल्म है, जिसमें शाहरुख खान जबरदस्त एक्शन करते नजर आएंगे।

फिल्म में शाहरुख खान, सौरभ शुक्ला के साथ अभिषेक बच्चन, दीपिका पादुकोण, शाहरुख की बेटी सुहाना खान और जयदीप अहलावत भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। मेकर्स ने इसी साल जनवरी में 'किंग' की झलक दिखाते हुए प्रोमो जारी किया था, प्रोमो में शाहरुख खान जबरदस्त एक्शन करते नजर आए।

प्रोमो में खून-खराबे और हाई-वोल्टेज एक्शन से भरपूर सीन हैं, किंग के प्रोमो में शाहरुख का किरदार कहता है, डर नहीं, दहशत हूं। सिद्धार्थ आनंद की फिल्म रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और मारफ्लिक्स पिक्चर्स के बैनर तले बन रही है। प्रोमो के साथ ही मेकर्स ने प्रशंसकों को जानकारी दी कि फिल्म इसी साल 24 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मालदीवः पूर्व राष्ट्रपति ने ईरान संघर्ष पर कहा, 'लोकतंत्र देश में बदलाव ला सकता हैं, बमबारी नहीं'

नई दिल्ली/भाषा। मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद ने अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए संयुक्त हमलों से पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के बीच बुधवार को कहा कि लोकतांत्रिक ढांचे व संस्थाओं के निर्माण से ही किसी देश में 'परिवर्तन' आ सकता है, न कि 'बमबारी' से।

नशीद ने यहां एक सम्मेलन से इतर 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा कि भले ही पुरानी विश्व व्यवस्था बदल रही है और एक नई व्यवस्था उभर रही है लेकिन ऐसा नहीं लगता कि अमेरिका स्वतंत्र विश्व का नेता है।

पश्चिम एशिया में संघर्ष 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमले के बाद शुरू हुआ, जिसके जवाब में ईरान ने अमेरिकी सैन्य ठिकानों वाले कई खाड़ी देशों पर हमला किया, जिससे वैश्विक विमानन परिचालन, तेल की कीमतों पर असर पड़ा तथा एक गंभीर ऊर्जा संकट उत्पन्न हो गया।

नशीद ने बातचीत के दौरान बताया कि इस संघर्ष ने मालदीव को किस तरह प्रभावित किया है।

मालदीव की अर्थव्यवस्था विदेशी पर्यटन पर बहुत अधिक निर्भर है। नशीद ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, हम पर्यटन पर निर्भर हैं, यही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। और जब दुबई और दोहा जैसे पश्चिम एशिया के प्रमुख पर्यटन केंद्र प्रभावित होते हैं, तो इसका पर्यटकों के आगमन पर बड़ा असर पड़ता है।

दिव्या दत्ता की वेब सीरीज 'चिरैया' में बताया गया रिश्तों में सहमति का महत्व

मुंबई/एजेन्सी

सशक्त अभिनय के लिए जानी जाने वाली दिव्या दत्ता एक बार फिर दर्शकों के सामने एक अलग और संवेदनशील कहानी लेकर आ रही हैं। उनकी आगामी वेब सीरीज 'चिरैया' का ट्रेलर जारी कर दिया गया है। इस सीरीज के जरिए समाज को यह संदेश देने की कोशिश की गई है कि शादी किसी को भी जबरन अधिकार नहीं देती और रिश्तों में सहमति का महत्व सबसे ज्यादा होता है।

करीब 1 मिनट 43 सेकंड लंबे ट्रेलर की शुरुआत एक आदर्श परिवार से होती है। सीरीज में दिव्या दत्ता मुख्य भूमिका में नजर आएंगी, जबकि संजय मिश्रा उनके पति का किरदार निभा रहे हैं। ट्रेलर में दिखाया गया है कि शादी के बाद भी पत्नी की सहमति सबसे अहम है और किसी भी तरह की जबरदस्ती गलत है। कहानी समाज में वर्षों से चली आ रही मानसिकता पर सवाल खड़े करती है।

निर्देशक शशांत शाह द्वारा निर्देशित इस सीरीज का निर्माण एसवीएफ एंटरटेनमेंट के बैनर तले किया गया है। सीरीज में दिव्या और संजय के अलावा सरिता जोशी, टीनू आनंद, फैसल राशिद, सिद्धार्थ शॉ और प्रसन्ना बिष्ट जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। छह एपिसोड वाली यह सीरीज 20 मार्च से जियो होस्टर पर स्ट्रीम होगी।

महाकाल की भक्ति में लीन हुईं कनिका मान, दर्शन के अनुभव को बताया दिव्य

उज्जैन/एजेन्सी

टेलीविजन इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री कनिका मान मध्य प्रदेश के उज्जैन में बाबा महाकाल के दर्शन के लिए पहुंची। इस दौरान उन्होंने महाकालेश्वर मंदिर में बाबा भोलेनाथ का आशीर्वाद लिया और काफी देर तक हाथ जोड़कर बाबा के भक्ति रस में डूबी नजर आईं।

माथे पर लाल चंदन लगाए नंदी महाराज के पास मौजूद अभिनेत्री बाबा महाकाल को निहारती नजर आईं। दर्शन के बाद अभिनेत्री ने बताया कि यह उनके लिए महाकाल के दर्शन का पहला अवसर था। कनिका ने कहा, यहां मैं पहली बार बाबा के दर्शन के लिए आई हूं और मुझे नहीं पता था कि मेरा अनुभव इतना खास व यादगार होगा। मैं बाबा की सच्ची भक्त हूं, इसलिए मंदिर जाना मेरे लिए उत्साह था, लेकिन यहां का अनुभव वाकई और भी अद्भुत था। उन्होंने भस्म आरती के बारे में खास तौर पर बात की।

कनिका ने कहा, भस्म आरती का अनुभव मेरे लिए बहुत खास रहा। वहां बहुत भीड़ थी, लेकिन मुझे ऐसा बिल्कुल महसूस नहीं हुआ कि कोई परेशानी हो रही है। जब मैं पीछे मुड़ी तो देखा कि इतनी बड़ी भीड़ है, फिर भी हर कोई शांति से और आराम से दर्शन कर रहा था। मुझे लगा कि सब वही दिव्य अनुभव ले रहे हैं जो मैं ले रही थी। मैं आगे की पंक्ति में बैठी थी और सब बहुत खुश नजर आ रहे थे। अभिनेत्री ने मंदिर प्रबंधन की तारीफ की। उन्होंने कहा, मंदिर कमिटी ने सारे इंतजाम इतने अच्छे तरीके से किए हैं कि किसी तरह की कोई समस्या नहीं हुई। सब कुछ बहुत सुव्यवस्थित था। इसलिए मैं सबको कहना चाहूंगी कि डरने की कोई जरूरत नहीं है। लोग सोचते हैं कि भीड़ ज्यादा है, दर्शन नहीं हो पाएंगे, लेकिन ऐसा नहीं है। आप जरूर आ सकते हैं। कोई दिक्कत नहीं होगी। मैं खुद लास्ट मिनट में आई थी और फिर भी अच्छे से आगे बैठकर दर्शन किए।

हंगामा

इंफाल के इमा कैथल इलाके में जनगणना से पहले एनआरसी लागू करने की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए सुरक्षा बलों ने आंसू गैस के गोलों का इस्तेमाल किया, जिससे चारों ओर धुआं फैल गया।

गैस सिलेंडर की किल्लत से रेस्तरां उद्योग की मुश्किलें बढ़ीं, व्यंजनों में कर रहे फेरबदल

नई दिल्ली/भाषा

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच एलपीजी आपूर्ति में अनियमितता के कारण दिल्ली के कई रेस्तरां ईंधन की कमी का सामना कर रहे हैं, जिससे परोसे जाने वाले व्यंजनों में फेरबदल, लागत बढ़ने और कर्मचारियों के वेतन को लेकर चिंता जैसी समस्याएं पैदा होने लगी हैं। उद्योग प्रतिनिधियों ने कहा कि कई रेस्तरां फिलहाल वैकल्पिक इंतजामों के जरिये स्थिति संभालने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन व्यवधान लंबे समय तक जारी रहने पर छोटे प्रतिष्ठानों के लिए बढ़ती लागत को संभाल पाना मुश्किल हो सकता है। सरकार ने पश्चिम एशिया संकट को देखते हुए घरेलू स्तर पर उत्पादित प्राकृतिक गैस की आपूर्ति को एलपीजी उत्पादन, सीएनजी और पाइप से मिलने वाली रसोई गैस को प्राथमिकता देने का निर्णय लिया है। गजट अधिसूचना के मुताबिक, इन क्षेत्रों की जरूरत पूरी होने के बाद ही अन्य उद्योगों को गैस दी जाएगी। भारतीय राष्ट्रीय रेस्तरां एसोसिएशन (एनआरएआई) के मानद कोषाध्यक्ष मनप्रीत सिंह ने कहा कि दिल्ली के कई रेस्तरां को नियमित एलपीजी आपूर्ति नहीं हो पा रही है। इस स्थिति में कुछ प्रतिष्ठान पाइप से होने वाली रसोई गैस आपूर्ति और इंडक्शन कुकिंग जैसे विकल्प अपना रहे हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात में कई रेस्तरां ऐसे व्यंजन को बढ़ावा दे रहे हैं जिनमें कम गैस खपत होती है। इसके अलावा इंडक्शन उपकरणों के इस्तेमाल से बड़े पैमाने पर खाना पकाने का तरीका भी अपनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के शाहदरा स्थित उनके रेस्तरां 'अर्बन कबाब' में भी एलपीजी स्टॉक खत्म हो चुका है और अनियमित आपूर्ति के कारण रोजमर्रा के रसोई संचालन में कठिनाई हो रही है। उन्होंने कहा कि यदि स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है तो परिचालन लागत कम करने के लिए कर्मचारियों के वेतन में कटौती या कुछ कर्मचारियों को हटाने जैसे कदम भी उठाने पड़ सकते हैं। 'द पियानो मैन' रेस्तरां शृंखला के संस्थापक अर्जुन सागर गुप्ता ने कहा कि उनके प्रतिष्ठानों को एलपीजी की आपूर्ति रुक गई है, जिसके कारण उन्हें पाइप से मिलने वाली प्राकृतिक गैस पर निर्भर रहना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) ने भी इस संबंध में परिपत्र जारी किया है और वे फिलहाल यह तय करने की कोशिश कर रहे हैं कि बिना गैस के कौन-कौन से व्यंजन बनाए जा सकते हैं।

'दरियागंज रेस्तरां' के सह-संस्थापक और एनआरएआई दिल्ली खंड के सह-प्रमुख अमित बग्गा ने कहा कि कई जगह एलपीजी सिलेंडर की कमी होने या उन्हें बाजार में अधिक कीमत पर बेचे जाने से कर्मचारियों की आजीविका पर भी असर पड़ सकता है।

हालांकि, कुछ प्रतिष्ठानों को अभी तक बड़ी समस्या का सामना नहीं करना पड़ा है। 'कारीगरी वेंचर्स' के प्रबंध निदेशक योगेश शर्मा ने कहा कि उनके अधिकांश दिल्ली स्थित रसोईघर आईजीएल की गैस पाइपलाइन से जुड़े हैं, जिससे ईंधन की आपूर्ति फिलहाल सामान्य बनी हुई है। इस बीच, एलपीजी सिलेंडर पर काफी हद तक निर्भर रहने वाले रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं को भी आपूर्ति प्रभावित होने से तमाम मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। इंडियन हॉकर्स एसोसिएशन से संबद्ध संदीप ने कहा, यदि सिलेंडर की कमी बनी रहती है तो कुछ विक्रेताओं को उंचे दाम पर काला बाजार से सिलेंडर खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। ऐसे में उनकी लागत बढ़ने से कमाई पर गंभीर असर पड़ सकता है।

राम चरण की फिल्म 'पेड्डी' का नया पोस्टर जारी

मुंबई/एजेन्सी

राम चरण की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'पेड्डी' लंबे समय से चर्चा में बनी हुई है। साल 2025 में रिलीज हुई गेम चेंजर के अपेक्षित प्रदर्शन न कर पाने के बाद दर्शकों की उम्मीदें अब इस फिल्म पर टिकी हैं। बुची बाबू सना के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में जाह्नवी कपूर मुख्य अभिनेत्री के रूप में नजर आएंगी। अभिनेत्री के 29वें जन्मदिन के खास मौके पर निर्माताओं ने फिल्म से उनका नया पोस्टर जारी किया है।

30 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही 'पेड्डी' में जाह्नवी कपूर 'अचियम्मा' नाम के किरदार में नजर आएंगी। जारी पोस्टर में उनका लुक बेहद दमदार और अलग दिखाई दे रहा है। सूती कपड़ों और गोल फ्रेम वाले चश्मे के साथ उनका अंदाज एक ग्रामीण और सशक्त युवती का एहसास कराता है। पोस्टर में जाह्नवी आत्मविश्वास और ऊर्जा से भरपूर नजर आ रही हैं।

इस फिल्म के जरिए पहली बार राम चरण और जाह्नवी कपूर की जोड़ी बड़े पर्दे पर देखने को मिलेगी। हालांकि, यह जाह्नवी की दूसरी तेलुगु फिल्म है।

इससे पहले वह जूनियर एनटीआर की फिल्म 'देवरा' में नजर आ चुकी हैं। फिल्म 'पेड्डी' को लेकर दर्शकों में पहले से ही उत्साह बना हुआ है और अब जाह्नवी के नए लुक ने फिल्म को लेकर उत्सुकता और बढ़ा दी है।

फिल्म 'नागजिला' में अभिनेत्री प्रीति मुकुंदन की एंट्री

मुंबई/एजेन्सी

कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'नागजिला' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म के जरिए साउथ इंडस्ट्री की अभिनेत्री प्रीति मुकुंदन बॉलीवुड में कदम रखने जा रही हैं। करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बन रही इस फिल्म से प्रीति अपना हिंदी फिल्मी सफर शुरू करेंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म के निर्माता प्रीति के चयन से काफी खुश हैं। सूत्रों का कहना है कि वह इस भूमिका के लिए बिल्कुल उपयुक्त हैं। फिल्म में उनका किरदार मजेदार और कॉमेडी से भरपूर होगा, जो कहानी को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगा। प्रीति भी अपने इस किरदार को लेकर काफी उत्साहित हैं और दर्शकों के सामने एक नया अंदाज पेश करने के लिए तैयार हैं।

प्रीति मुकुंदन एक अभिनेत्री, मॉडल और डांसर हैं, जिन्होंने साउथ भारतीय सिनेमा में अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने अपने अभिनय करियर की शुरुआत साल 2024 में तेलुगू हॉरर-कॉमेडी फिल्म ओम भीम बुश से की थी। इसके बाद उन्होंने तमिल फिल्म स्टार में काम किया। वहीं मलयालम फिल्म मैंने प्यार किया भी उनके खाते में शामिल है। इसके अलावा प्रीति को विष्णु मांचू और अक्षय कुमार अभिनीत तेलुगू फिल्म कन्नप्पा में भी देखा जा चुका है। अब 'नागजिला' के जरिए उनका बॉलीवुड डेब्यू दर्शकों के लिए खास होने वाला है।

'ब्रह्मवृक्षम' ने होली मिलन और महिला दिवस मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। उत्तर प्रदेश का चेन्नई प्रवासी ब्राह्मणों की संस्था 'ब्रह्मवृक्षम' ने अपना होली मिलन समारोह एवं अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस धूमधाम से मनाया। माधावरम के आदिनाथ ट्रेड सेंटर के प्रांगण में शाम को संस्था के पदाधिकारियों द्वारा औपचारिक रूप से शुभारंभ के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम का प्रस्तुतिकरण किया गया। रेखा राय के निर्देशन मे अनेक बाल कलाकारों द्वारा गीत, नृत्य, नाटक, जैसे अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। संस्था के वरिष्ठ कलाकारों द्वारा भी होली गीत मधुर संगीत के साथ गाया गया जो काफी मनमोहक था। जिसमें वीएस दुबे, मुन्ना मिश्र, अवधेश पाठक, अनंत पांडे, डॉ अशोक कुमार द्विवेदी जैसे अनेक गायकों ने होली गीत प्रस्तुत किए। अबीर गुलाल लगाकर सभी उपस्थित सदस्यों का सम्मान किया गया और होली की शुभकामनायें दी गई।

इस शुभ अवसर पर संस्था के महिला सदस्यों के सम्मान में ब्रह्मवृक्षम के बैनर तले केक काटकर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस भी धूमधाम से मनाया गया। नारी शक्ति के सम्मान में गीत गया गया। रेखा राय, चंदा दुबे, किरण दुबे, कुसुम पांडे, शकुंतला राय, उषा तिवारी आदि ने गीत गाकर इस दिवस को और भी आकर्षक बना दिया। अध्यक्ष अरुण कुमार तिवारी , सचिव वीके तिवारी ने सभा का स्वागत किया। संयोजक शशांक मिश्र, पंकज तिवारी, रेखा राय ने पूरे कार्यक्रम को व्यवस्थित किया। अंत मे सभी बाल कलाकारों को अध्यक्ष अरुण तिवारी, सचिव वी के तिवारी, पूर्व अध्यक्ष जे पी तिवारी, प्रवक्ता डॉ अशोक कुमार द्विवेदी, संस्थापक संरक्षक अशोक कुमार राय द्वारा स्नेह उपहार देकर सम्मानित एवं प्रोत्साहित किया गया।

कराबीनि में नारी शक्ति का अभिनंदन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के कर्मचारी राज्य बीमा निगम (कराबीनि) क्षेत्रीय कार्यालय, में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को उत्साहपूर्वक मनाया गया। यह कार्यक्रम क.रा.बी.निगम की स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित विशेष सेवा पखवाड़ा समारोह के समापन अवसर पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती सहभागिता और सामाजिक सुरक्षा के संदर्भ में उनके उत्कृष्ट योगदान पर प्रकाश डाला गया।

वक्ताओं ने देश के विकास में महिलाओं द्वारा किए जा रहे उल्लेखनीय प्रयासों की सराहना की और समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रीति कौशिक ने अपने संबोधन में महिलाओं और पुरुषों के बीच लिंगानुपात में मौजूद अंतर पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि नारी और पुरुष समाज के दो अभिन्न पहलू हैं, जो साथ-साथ और सामंजस्य के साथ ही प्रगति की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार भी वितरित किए गए। कार्यक्रम का समापन उत्साह और सकारात्मक संदेश के साथ हुआ।

विश्व किडनी दिवस का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के एनजीओ सेपियंस हेल्थ फ़ाउंडेशन ने 10 मार्च को वर्ल्ड किडनी डे 2026 मनाया। वर्ल्ड किडनी डे की थीम है - सभी के लिए किडनी हेल्थ, लोगों की देखभाल, धरती की सुरक्षा। इस मौके पर सेपियंस हेल्थ फ़ाउंडेशन के सफ़र और खास पड़ावों पर एक डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई। फ़ाउंडेशन के चेयरमैन डॉ. राजन रविचंद्रन ने किडनी की बीमारी को रोकने के लिए फ़ाउंडेशन की कोशिशों के बारे में बताया।

उन्होंने सिस्टिनोसिस नाम की एक अनाथ बीमारी के इलाज के बारे में भी बताया, जिसे फ़ाउंडेशन 2012 से स्पॉन्सर और मरीज़ों को सपोर्ट कर रहा है। उन्होंने नमक कम करने के कैंपेन के बारे में बताया, जिसे फ़ाउंडेशन 2010 से चला रहा है।

उन्होंने सेपियंस हेल्थ फ़ाउंडेशन द्वारा अलग-अलग शहरों (चेन्नई, मुंबई, दिल्ली, विजयवाड़ा) में डॉक्टरों के लिए सफलतापूर्वक आयोजित वर्कशॉप की जानकारी दी। यह लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियों से लड़ने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा, जो दुनिया में नंबर 1 किलर हैं। मशहूर फिल्म निर्माता राजीव मेनन, जो कार्यक्रम के मुख्यअतिथि थे, ने अलग-अलग भाषाओं में नमक कम करने की गाइड रिलीज़ की और सेपियंस के काम की तारीफ़ की। राजीव गांधी गवर्नमेंट जनरल हॉस्पिटल और मद्रास मेडिकल कॉलेज के इंस्टिट्यूट ऑफ़ नेफ्रोलॉजी के डायरेक्टर डॉ. टी. बालासुब्रमण्यम ने वर्ल्ड किडनी डे की थीम के बारे में डिटेल में बताया। क्रेजी बालाजी के विचारों के साथ कार्यशाला का समापन हुआ।फाउंडेशन के ट्रस्टी आर. सुंदर ने आए हुए लोगों का स्वागत किया और फाउंडेशन के योगदान के बारे में बताया।

स्वास्थ्य शिविर — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

वेलूर। यहां काटपाडी के गांधी नगर स्थित इंदिरा सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं के लिए एक निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में चिकित्सकों ने थायरॉइड, स्तन ट्यूमर, आंतों और पित्ताशय की पथरी, गुर्दे की पथरी, बांझपन, लेप्रोस्कोपिक की जांच की गई।

आदिनाथ भगवान का जन्म एवं दीक्षा कल्याणक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां अखिल भारतीय श्री जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक युवक महासंघ की चेन्नई शाखा के अंतर्गत तमिलनाड जैन महामंडल ने प्रथम तीर्थंकर श्री आदिनाथ भगवान का जन्म एवं दीक्षा कल्याणक बड़े हर्षोल्लास से 11 मार्च को मनाया। कल्याणक के तहत विभिन्न मंदिरों में अभिषेक, ई सी आर जैन नवग्रह मंदिर में भव्य स्नात्र महोत्सव एवं अन्न-दानम का विशेष कार्यक्रम चेन्नई सेंट्रल स्टेशन के सामने गर्वेमेंट अस्पताल (जीएच) के बाहर रखा गया जिसमे करीब 1100 जरूरतमंद लोग लाभान्वित हुए।

युवक महासंघ के राष्ट्रीय संयोजक गौतम जैन ने बताया कि भगवान आदिनाथ के जन्म एवं दीक्षा कल्याणक के अवसर पर जेटीसी जैन मिशन हायर सेकेंडरी स्कूल में भी छात्रों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किया। जिसमें द्वारा आदिनाथ भगवान के जीवन पर प्रकाश डाला। राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष जयंतीलाल खीवेसरा ने बताया कि छात्रों के लिए आदिनाथ भगवान आधारित विशेष प्रतियोगिता रखी गई जिसमें सभी बच्चों ने उत्साह से भाग लिया। प्रदेश सचिव मनोज जैन ने भी सभी विद्यार्थी एवं अध्यापकों की सराहना की जिन्होंने कम समय में इतना अच्छा कार्यक्रम प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में विजेता छात्रों एवं सभी प्रत्याशी को पुरस्कृत किया गया।

प्रदेश अध्यक्ष ललित खांटेड, कोषाध्यक्ष जितेन्द्र,राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य मुकेश मुनोथ,बाबूलाल सिंघवी, महामंडल सदस्य जयंतीलाल आर शाह,संजय जैन, सुशील जैन, ओटमल श्रीश्रीमाल, ललित मुनोथ ने सहयोग प्रदान कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

प्रदीप कवरात ने प्राचार्य सैलेश, अध्यापकों एवं छात्रों को धन्यवाद दिया जिन्होंने इतने कम समय में सुंदर कार्यक्रम प्रस्तुत किया। स्कूल समिति के भवरलाल, कमलेश भी उपस्थित रहे।

आचार्य हीराचंद्र का जन्मदिवस तप, त्याग से मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के आवड़ी स्थित श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन संघ के तत्वावधान में आचार्य हीराचंद्रजी के 88वें जन्मदिन को तप, त्याग पूर्वक तीन-तीन सामायिक एवं एकासन दिवस के रूप में मनाया गया। गुरु हस्ती हीरा महेंद्र मान के महासतीश्री सुमतिप्रभाजी म. सा. की शिष्या अंजनाजी म. सा. ने आचार्य हस्तीमलजी म. सा. व उनके शिष्य आचार्य हीराचंद जी म. सा. के जीवन में घटित प्रत्येक रूप से देखें अनेक संस्मरणों को सुना कर आचार्य हीरा के गुणगान करते हुए कहा कि गुरु के गुणों को जीवन में धारण करना ही सच्ची श्रद्धा है। साधवीश्री सिंधुप्रभाजी म. सा. ने प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव के गुणगान करते हुए कहा कि असी, मसी व कृषि की कला सीखने का उपकार किया। साध्वीश्री तितिक्षाजी म सा ने आचार्य हीराचंद्रजी ने अपने आचरण से सच्चे शिष्य की पहचान बनाते हुए गुरु हस्तीमलजी के दिल में स्थान प्राप्त कर लिया। जन्म व दीक्षा कल्याणक के शुभ अवसर पर संघ के कोषाध्यक्ष हीराचंद रांका ने गीतिका के माध्यम से आचार्य हीराचंदजी के साधनामय जीवन का उल्लेख करते हुए मुख्य प्रेरणाओं पर प्रकाश किया वह महासती मंडल के प्रति कृतज्ञता भाव प्रकट किया। संघ के अध्यक्ष पदमचंद आंचलिया ने महासती मंडल के चरणों में सेखे काल विराजने की विनती रखी। कार्यक्रम में तिन्नानूर, पट्टाभिराम, अम्बत्तूर, पाडी पुन्नमल्ली, मांगाड, जयपुर, चेन्नई महानगर के अनेक क्षेत्रों से आए श्रावक श्राविकाओं ने तीन-तीन सामायिक एवं उपवास के प्रत्याखान किए और अच्छी उपस्थिति रही।

आचार्य हीराचंद्र का जन्मदिवस सामायिक दिवस के रुप में मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के साहूकारपेट के बेसिन वाटर स्ट्रीट में स्थित स्वाध्याय भवन में आचार्य हीराचंद्र का जन्मदिवस जप-तप-त्याग पूर्वक सामायिक दिवस के रुप में मनाया गया। वरिष्ठ स्वाध्यायी आर वीरेन्द्र कांकरिया ने आचार्य भगवन्त हीराचंद्र के उन पर किए गए हुए उपकारों पर कृतज्ञता प्रकट करते हुए कहा कि उनकी प्रेरणा स्वरुप ही बाईस वर्षों से निरन्तर रुप से स्वाध्यायी के रुप में सेवा दे रहा हूं। आचार्यश्री के संदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि स्वाध्याय भवन की उपयोगिता निरन्तर रुप से सामायिक व स्वाध्याय करने से ही हैं। श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ तमिलनाडु के पूर्व कार्याध्यक्ष आर नरेन्द्र कांकरिया ने आचार्यश्री के 88 वें जन्मदिवस के अवसर पर कहा कि उनके अतिशय से चेन्नई संघ में धार्मिक व समाज सुधार के क्षेत्रों में अनेक गतिविधियां निरन्तर रुप से गतिमान हैं व भावी आचर्यश्री महेन्द्रमुनि द्वारा रचित गुरु हीरा हृदयस्पर्शी स्तुति सुनाई।

स्वाध्यायी योगेश श्रीश्रीमाल ने आचार्यश्री की प्रेरणाओं से युवक परिषद् तमिलनाडु के संचालन में बालक- बालिकाओं के नैतिक आध्यात्मिक धार्मिक शिविर पर प्रमोद भाव व्यक्त किए। पदमचंद श्रीश्रीमाल ने गुरुदेव के उपकारों का स्मरण किया। जे कमल चोरडिया ने आचार्य भगवन्त की अप्रमत्त जीवनशैली पर भाव रखते हुए तीन मनोरथ चिन्तन पाठ रखा। उपस्थित स्वाध्यायी बन्धुवरों ने हीराष्टक व हीरा चालीसा से सामूहिक स्तुति की। श्रावक रत्न रुपराज सेठिया ने जैन संकल्प सूत्र कराया। सामूहिक वन्दन के पश्चात वीरेन्द्र कांकरिया ने मंगल पाठ सुनाया।

निःशुल्क नेत्र शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई में 11 मार्च को विशा स्माइल्स डेंटल क्लिनिक में 39वा निशुल्क नेत्र शिविर अग्रवाल आई हॉस्पिटल के सहयोग से किया गया। सम्पूर्ण शिविर के लाभार्थी एससी शाह परिवार के नरेन्द्र शाह रहे। यह शिविर में रणजीत शाह, डॉ. योगिता और हितेश का योगदान रहा। शिविर में 63 लोगों ने निशुल्क आंखों की जांच कराई। 18 लोगों को चश्मे दिए गए। दो लोगों की निःशुल्क मोतिया बिन्द का ऑपरेशन करवाया जाएगा। अगला शिविर 25 मार्च को लेगा।

'अमृता' का वार्षिक खेल महोत्सव 'स्काई एथलेटिका 2026' का शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां अमृता ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के वार्षिक खेल महोत्सव स्काई एथलेटिका 2026 का शुभारंभ वेपेरी स्थित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में किया गया। दो दिवसीय इस खेल महोत्सव का शुभारंभ लोकप्रिय अभिनेता माकापा आनंद ने ओलंपिक मशाल प्रज्ज्वलित करके एवं प्रतिष्ठित चार सौ मीटर रिले दौड़ को हरी झंडी दिखा कर किया।

इस अवसर पर अमृता ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन आर. भूमिनाथन कॉलेज के डीन एकेडमिक्स सुरेंन तुलसीराम उप प्रधानाचार्य डॉ राहुल एकेडमिक कोऑर्डिनेटर अरुण सहित कालेज प्रबंधन के अनेक वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर अमृता ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन आर. भूमिनाथन ने कहा कि खेल हमें वह सब सिखाते हैं जिसे हम कक्षाओं में नहीं सीख सकते, अनुशासन टीमवर्क, दृढ़ता और हारने के बाद फिर से जीतने के लिए उठ खड़ा होना। उन्होंने कहा कि हम हमारे कॉलेज कैंपस में केवल पेशेवर ही तैयार नहीं करते बल्कि चरित्र और आत्मविश्वास से भरपूर मजबूत व्यक्तियों को भी तैयार करते हैं। एथलेटिका 2026 इसी भावना का परिणाम है।

इस खेल महोत्सव में राज्य और राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों द्वारा जिम्नास्टिक और सिलंबम प्रदर्शन में उल्लेखनीय चपलता, शक्ति और परंपरा का प्रदर्शन किया गया। अन्य स्पर्धाओं में वॉलीबॉल, कबड्डी और थ्रोबॉल के साथ-साथ स्प्रिंट्स भी शामिल किए गए थे जिसमें पांच सौ से अधिक छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 द्रमुक परिवार के शासन को समाप्त करने का चुनाव : नैनार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तिरुचिरापल्लीय तमिलनाडु भाजपा प्रमुख नैनार नागेन्द्रन ने बुधवार को मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन की 2026 विधानसभा चुनाव को तमिलनाडु बनाम दिल्ली करार देने वाली टिप्पणी की कड़ी आलोचना की और कहा कि यह चुनाव वास्तव में जनता के शासन बनाम द्रमुक के परिवार के शासन के बीच का संघर्ष है।

नैनार ने यह बात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में राजग की रैली को संबोधित करते हुए कही। नागेन्द्रन ने कहा, मैं मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन से कहना चाहता हूं कि यह चुनाव तमिलनाडु में द्रमुक के परिवार शासन को समाप्त करने के लिए है। यह परिवार के शासन बनाम जनता के शासन की लड़ाई है, न कि तमिलनाडु बनाम दिल्ली। वहीं, एआईएडीएमके के महासचिव के. पलानीसामी ने बुधवार को कहा कि तमिलनाडु के लोग सत्तारूढ़ डीएमके के ''झूठे और बढ़ा-चढ़ाकर किए गए वादों'' से तंग आ चुके हैं।

पलानीसामी ने यहां आयोजित राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की रैली के दौरान डीएमके सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि लोग अब स्टालिन की बातों पर भरोसा नहीं करने वाले हैं, क्योंकि उन्होंने अब तक अपने पिछले चुनावी वादे भी पूरे नहीं किए हैं। विपक्ष के नेता ने कहा कि वर्ष 2021 में विधानसभा चुनाव के दौरान स्टालिन ने 500 से ज्यादा वादे किए थे।

आचार्य जिनमणिप्रभसूरीश्वर 'राष्ट्ररत्न' अलंकरण से सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/जैसलमेर। राजस्थान के जैसलमेर में आयोजित तीन दिवसीय दादा गुरुदेव चादर महोत्सव के आखिरी दिन रविवार को विभिन्न धार्मिक और आध्यात्मिक आयोजनों के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर गच्छाधिपति आचार्यश्री जिनमणिप्रभ सूरीश्वरजी को 'राष्ट्ररत्न' की उपाधि से सम्मानित किया गया। यह सम्मान महाराष्ट्र सरकार के मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा द्वारा सम्मान पत्र प्रदान कर दिया गया। साथ ही दादागुरु श्री जिनदत्तसूरी चादर महोत्सव समिति, जैसलमेर जैन ट्रस्ट व अन्य समितियों की ओर से 'सूरीसम्राट' की उपाधि प्रदान की गई। उपाध्यायश्री महेंद्रसागरजी को 'आचार्य पद' से अलंकृत किया गया। बेंगलूरु से कार्यक्रम के संयोजक तेजराज गुलेच्छा ने बताया कि इस समारोह के पूरे भारतवर्ष से बीस हजार से अधिक लोग गवाह बने।

कार्यक्रम के वित्त प्रभारी बेंगलूरु के कुशलराज गुलेच्छा ने कहा कि तीन दिवसीय दादा गुरुदेव के जीवन पर आधारित जीवन परिचय को दर्शाने वाली म्यूजियम प्रदर्शनी को ग्रामीण व शहर के अनेकों लोगों ने देखा। इस महोत्सव में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत उपस्थित थे। चादर समिति के सदस्य ललित डाकलिया ने बताया कि चादर महोत्सव में बेंगलूरु दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी, संघवी विजयराज डोसी की उपस्थिति के साथ भोजन समिति के कार्य में महेन्द्र कुमार रांका, सुरेन्द्र कुमार रांका, रणजीत ललवानी के साथ बेंगलूरु के पचास से अधिक सदस्यों ने अपनी सेवाएं प्रदान की। इसके साथ ही कार्यक्रम में गणिनी पद समारोह का भी आयोजन किया गया।

साध्वी सुभ्रदा श्रीजी को गणिनी पद दिया गया। उपाध्याय मनितप्रभसागरजी द्वारा लिखित 'दि यूनिवर्सल ट्रूथ' एवं डॉ विद्युत्प्रभा श्रीजी की पुस्तक 'गुरुदेव' का विमोचन भी हुआ। कार्यक्रम गच्छाधिपति आचार्यश्री मणिप्रभ सूरी जी की पावन निश्रा में सम्पन्न हुआ।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.